सायंकालीन

समाचार जगत

आर.एन.आई. नं. 67417/96

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2083

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष 30 अंक 127

जयपुर, सोमवार 24 अगस्त, 2026

मूल्य: 2 रुपए

RAJ/P/2026/5326

KEDIA आरण्यम

ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

अब आपका एड्रेस

आपका *Status* बतायेगा !

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

PRE LAUNCH PRICE : ₹16500/ SQ. YD.

LAUNCH PRICE : ₹18000/ SQ. YD.

NO MIDDLE MEN

FIXED PRICE

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

T&C Apply*

KEDIA सेजस्थान

अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

"मंडी" जैसे दाम

LUXURY

आपके नाम

₹4300/- Sq ft में फ्लैट ! 2027 तक 25 लाख रेट बढ़ेगी ₹5500/- Sq ft में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

KEDIA® 1800-120-2323 info@kedia.com www.kedia.com 78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

एटीएम काटकर चोरी के प्रयास का खुलासा मेवात से दो आरोपी गिरफ्तार

गैस कटर से एटीएम काट नकदी उड़ाने की थी साजिश, पांच टीमों ने की तलाश

समाचार जगत ब्यूरो

फतेहपुर शेखावाटी. जयपुर-बीकानेर हाईवे पर सरदारपुरा बस स्टैंड के पास आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को गैस कटर से काटकर नकदी चोरी करने के प्रयास के मामले का फतेहपुर कोतवाली पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डिप्टी नोपा राम भाकर ने बताया कि कोतवाली थानाधिकारी महेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र के आधार पर हरियाणा के मेवात क्षेत्र में दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा। पुलिस

के अनुसार 19 अगस्त की रात करीब दो बजे अज्ञात बदमाशों ने गैस कटर की मदद से एटीएम मशीन को काटकर उसमें रखी नकदी निकालने का प्रयास किया था। वारदात की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पांच टीमों ने संभाला मोर्चा मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की तलाश के लिए पांच विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थल से जुटाए साक्ष्यों, तकनीकी जानकारी और मुखबिर तंत्र के आधार पर संभावित ठिकानों पर दबिश दी। लगातार पीछा करते हुए पुलिस टीम हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र तक पहुंची, जहां से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी नूंह जिले के रहने वाले गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इंसाफ पुत्र कासम मेव (25), निवासी घाटा शामशाबाद तथा गुलशाद पुत्र हारून मेव (22), निवासी जगरौली, जिला नूंह (हरियाणा) के रूप में हुई है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में एटीएम चोरी के प्रयास से जुड़े अन्य लोगों और गिरोह के संबंध में अहम जानकारी सामने आने की उम्मीद है। पुलिस द्वारा गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिले में एटीएम काटकर चोरी करने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वारदात के बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली।

रविवार को भी खुले रहे चौमूं उपखंड के 14 डाकघर

चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का संदेश समय पर अपनों तक पहुंचाने के लिए चौमूं उपखंड के 14 डाकघर रविवार को भी खुले रहे। डाक विभाग की ओर से राखी भेजने वाले आमजन की सुविधा को देखते हुए इन डाकघरों में रविवार को राखी की बुकिंग की विशेष व्यवस्था की गई। चौमूं उपखंड के डाक निरीक्षक चन्द्र ज्योति यादव ने बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग डाक के माध्यम से अपने भाई-बहनों को राखियां भेजते हैं। ऐसे में आमजन को सुविधा देने और राखियों की समय पर बुकिंग सुनिश्चित करने के लिए चयनित डाक घरों को रविवार को भी खोला गया। उन्होंने बताया कि लोग रविवार को भी इन डाकघरों में पहुंचकर अपनी राखियां बुक करवाते हुए नजर आए। अमित तिवारी ने बताया कि चौमूं, कालाडेरा, गोविंदगढ़, उदयपुरिया, इटावा भोपजी, खेजरोली, अमरसर, सामोद, मोरीजा, जैतपुरा, जाहोता, करणसर, रेनवाल और बधाल डाकघरों में रविवार को राखी की बुकिंग की सुविधा उपलब्ध रही। डाक विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे राखियां समय पर बुक करवाएं, ताकि भाई-बहनों तक रक्षाबंधन का संदेश समय पर पहुंच सके। विभाग का कहना है कि राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है।

बाबा भोलेनाथ एवं शेषनाग की सजाई भव्य झांकी

चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। शहर के प्राचीन गढ़ गणेश मंदिर के पास स्थित श्री पंचमुखी कामपूर्णेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास की एकादशी रविवार को बाबा भोलेनाथ एवं शेषनाग की भव्य झांकी सजाई गई। मंदिर पुजारी दीपक शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर बाबा भोलेनाथ का मोगरे के फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया और आरती की गई। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर घर परिवार में सुख समृद्धि और शांति की कामना की।

मोरीजा मोहनलाल जी के मंदिर में पवित्रा एकादशी पर किया गया भगवान का श्रृंगार

चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। ग्राम मोरीजा में रविवार को पवित्रा एकादशी का व्रत श्रद्धा व भक्ति पूर्वक किया गया। ग्राम के मोहनलाल मंदिर में श्रावण शुक्ल पक्ष की इस एकादशी पर पुजारी विमल पारीक के सानिध्य में भगवान की पूजार्चना कर श्रृंगार किया गया। पं. सुदर्शन शर्मा ने बताया कि पवित्रा एकादशी के व्रत का विशेष महत्व है। इस एकादशी के व्रत पर भगवान का शुद्ध अन्तःकरण से ध्यान कर व्रत करने से आत्मा की शुद्धि होती है और व्यक्ति के मनोविकार दूर होकर मन वचन कर्म से पवित्रता प्राप्त होती है। मंदिर में सुबह ब्रह्म मुहूर्त में भगवान के चरण कमल का पंचामृत से स्नान कराया गया व पुरुष सूक्त से अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान को पोशाक व आभूषण धारण कराकर श्रृंगार किया गया। भगवान के फल, विविध नैवेद्य व माखन मिश्री का भोग लगाकर आरती की गई। इस अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने एकादशी के उपलक्ष में भगवान के दर्शन कर हरि नाम संकीर्तन किया व पवित्रा एकादशी की कथा सुनी।

देश-प्रदेश की खुशहाली के लिए कावड़ यात्रा

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। गलता से नवदेश्वर महादेव मंदिर अल्बर्ट हाल के पीछे तक विकलांगो की कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। कावड़ यात्रा में अपने अपने वाहनों पर सैकडों दिव्यांगों द्वारा कावड़ जल को भोले नाथ के चढ़ा कर प्रदेश की शुखहाली की प्रार्थना की। कावड़ यात्रा में टी-शर्ट तथा कावड़ की व्यवस्था प्रदेश सर्वोदय विकलांग सेवा समिति द्वारा की गयी।

कन्हैयालाल वर्मा राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान से होंगे सम्मानित

चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। शहर में मानव जन जागृति संस्थान द्वारा 6 सितम्बर को कोजी होटल चौमूं में आयोजित होने वाले द्वितीय राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान समारोह आयोजित होगा। संस्था के प्रदेशाध्यक्ष सौदागर कांदेला ने बताया कि राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान समारोह में सिगोंद खुर्द निवासी, हाल प्लॉट नम्बर 4, गणेश नगर-2, हरमाड़ा जयपुर निवासी एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गोविन्दपुरा-2 ब्लॉक-जालसू में प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत कन्हैया लाल वर्मा का शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मान हेतु चयन किया गया है। प्रधानाध्यापक कन्हैया लाल वर्मा राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान से सम्मानित होंगे।

विप्र गौरव अलंकरण समारोह की तैयारी को दिया अंतिम रूप

चौमूं, समाचार जगत ब्यूरो। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात की बैठक जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के सानिध्य में सेवानिवृत शिक्षिका संतोष शर्मा की अध्यक्षता में श्री सुडेश्वर महादेव मंदिर, सब्जी मंडी रोड, चोमू में संपन्न हुई। मुख्य संगठन महामंत्री गजानंद शर्मा ने बताया कि बैठक में महासभा द्वारा 30 अगस्त को श्री वीर तेजाजी मंदिर प्रांगण, स्टेशन रोड, चौमूं पर आयोजित होने वाले सर्व ब्राह्मण समाज प्रतिभा सम्मान एवं विप्र गौरव अलंकरण समारोह के कुशल एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए विभिन्न

उप-समितियों का गठन कर कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। समारोह संयोजक टिंकू शर्मा एवं मुकेश शर्मा ने बताया कि समारोह में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों तथा अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज बंधुओं का सम्मान एवं अभिनंदन किया जाएगा। समन्वयक प्रमोद शर्मा एवं संतोष शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोहनलाल पारीक, भंवर शर्मा, मुकेश मेहता, प्रमोद शर्मा, अर्जुन शर्मा, निशा पारीक, सीमा पारीक, संतोष देवी शर्मा सहित महासभा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राखी से रक्षा-एक राखी देश के नाम

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर 'राखी से रक्षा-एक राखी देश के नाम' अभियान के तहत टोंक की किशोरियों ने देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राखियां भेजीं। शिव शिक्षा समिति राणोली द्वारा संचालित किशोरी फेडरेशन टोंक की किशोरियों ने मुख्य डाकघर, टोंक से स्नेह, शुभकामनाओं और देशभक्ति के संदेशों से सजी राखियां सरहद पर तैनात सैनिकों के लिए प्रेषित कीं। फेडरेशन अध्यक्ष वसुंधरा प्रजापत ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य देश की रक्षा में दिन-रात मुस्तैद जवानों के दीर्घायु एवं सुरक्षित जीवन की कामना के साथ उन्हें रक्षाबंधन के अवसर पर अपनत्व का अहसास कराना है।

किशोरियों ने अपने हाथों से राखियां तैयार कर उनमें विशेष शुभकामना संदेश भी लिखे हैं। संस्था सचिव डॉ. शिवजीराम यादव एवं जिला समन्वयक पूनम जोनवाल ने बताया कि टोंक जिले का यह किशोरी फेडरेशन 20 किशोरी समूहों के माध्यम से 30 पंचायतों की 6,300 से अधिक किशोरियों का प्रतिनिधित्व करता है। इन किशोरियों ने सामूहिक रूप से राखियां तैयार कर देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों को भेजी हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत किशोरियां अपने आसपास के पुलिस थानों एवं पुलिस चौकियों में पहुंचकर रात-दिन महिलाओं, किशोरियों और बच्चों की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को भी राखियां बांधेंगी।

इस पहल का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के साथ किशोरियों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को मजबूत करना है। किशोरियों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि देश की रक्षा करने वाले जवानों और समाज की सुरक्षा में जुटे पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। अभियान के माध्यम से किशोरियों ने देश के रक्षकों तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास किया है कि पूरा समाज उनके साथ खड़ा है।

महिला विंग भाविपरिषद का रंगारंग लहरिया कार्यक्रम

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। भारत विकास परिषद टोंक की महिला विंग द्वारा बमौर रोड स्थित एक होटल में सावन के महीने में रंगारंग लहरिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिषद की महिला प्रमुख रेखा जाजू ने बताया कि महिला विंग की सदस्याओं ने पारंपरिक रंग बिरंगे लहरिया पहनकर सोलह श्रृंगार कर नृत्य, गायन, तंबोला व मनोरंजन से भरपूर खेल गतिविधियों तथा स्वादिष्ट व्यंजन के चटखारे लेते हुए सावन मास के इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

इस अवसर पर अंजू कक्कड़, निर्मेश कासलीवाल, मंजू गर्ग, मनीषा जैन, सुमन काला, रानू काहलिया, मोनू जैन, रजनी जैन, तारेश विजय, लक्ष्मी विजय , शीला बुंदेल, शकुंतला, किरण त्रिपाठी, रूप लता शर्मा की उपस्थिति रही।

चौमूं की अशोक विहार कॉलोनी में बंदरों की गश्त से कर्फ्यू का आभास

समाचार जगत ब्यूरो

चौमूं. राजस्थान प्रदेश के चौमूं नगर की अशोक विहार कॉलोनी में रोजाना सुबह 5 से 7 बजे तक लाल मुंह के बंदरों का लवाजमा कॉलोनी की एक गली से दूसरी गली ही नहीं, एक पेड़ से दूसरे पेड़, एक मकान से दूसरे मकान पर उछल कूद करता हुआ गश्त पर देखा जा सकता है। कॉलोनी के निवासियों ने बताया कि आलम यह है कि इस दौरान पूरी कॉलोनी के रहवासी सहम से जाते है, दहशत में जी रहे है एवं घरों से बहार निकलने से पहले अपने पड़ोसियों को पूछते है कि क्या बंदरों का काफिला गश्त पर आ कर चला गया क्या। यह दो घंटे कॉलोनी के निवासियों के लिए कफ़र्यू से कम नहीं है। सब अपनी जान बचाकर प्रतिदिन सुबह अपनी रक्षा करते हुए देखे जा सकते है।

संतों एवं श्रद्धालुओं का आध्यात्मिक मिलन

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। सद्गुरु आश्रम टोंक में रविवार को सनातन धर्म, राष्ट्रीय एकता-अखंडता और आध्यात्मिक जागरण को लेकर संतों एवं श्रद्धालुओं का आध्यात्मिक मिलन हुआ। इस अवसर पर पूज्य संत श्री प्रताप पुरी जी महाराज, पोकरण विधायक एवं शिव विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता गुमान सिंह सोढ़ा सहित देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने परम पूज्य गुरुदेव पंडित राजकुमार जी शर्मा से भेंट कर आशीर्वाद एवं ज्योतिषीय मार्गदर्शन प्राप्त किया। आध्यात्मिक मिलन के दौरान संत श्री प्रताप पुरी जी महाराज एवं गुरुदेव पंडित राजकुमार जी शर्मा के बीच सनातन धर्म की मजबूती, राष्ट्र की एकता एवं अखंडता तथा

आडंबर मुक्त भारत की संकल्पना को लेकर गहन चर्चा हुई। संतों ने समाज में आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कारों और राष्ट्रहित की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके बाद संत श्री प्रताप पुरी जी महाराज ने गुरुदेव पंडित राजकुमार जी शर्मा के साथ कचिदा वाले बाबा की पावन तपोस्थली स्थित सुंदरवन की गुफा में पहुंचकर हवन एवं विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति, सामाजिक सद्भाव तथा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए प्रार्थना की गई। आश्रम में देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों से आए श्रद्धालुओं ने भी गुरुदेव से भेंट कर ज्योतिषीय चर्चा, आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने कहा कि सद्गुरु आश्रम टोंक सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रहित के विचारों को समाज तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। इस अवसर पर "सनातन से राष्ट्र, राष्ट्र से एकता और एकता से अखंड भारत" के भाव को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

पहाड़ी मार्ग पर पैदल चलते हुए सूरज छतरी पहुंचा दल

बूंदी में हेरिटेज वॉक पर्यटन विकास की नई दिशा की ओर एक कदम

समाचार जगत ब्यूरो

बूंदी. बूंदी शहर में रविवार को सेव ऑवर हेरिटेज फाउंडेशन, बूंदी टीम द्वारा जिला कलक्टर हरफूल सिंह, पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा एवं रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व वन उप संरक्षक अरुण कुमार व एसडीएम लक्ष्मीकांत के साथ एक विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। हेरिटेज वॉक का उद्देश्य बूंदी शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संभावित हेरिटेज वॉक रूटों का चयन एवं उनका स्थल निरीक्षण करना था। हेरिटेज वॉक की शुरुआत अखाड़े वाले बालाजी से हुई। यहां से पहाड़ी मार्ग पर पैदल चलते हुए दल सूरज छतरी पहुंचा। जिला कलक्टर ने सूरज

छतरी का बारीकी से निरीक्षण किया और इसके ऐतिहासिक एवं स्थापत्य महत्व को समझा। छतरी परिसर में पौधरोपण करने व परिसर को स्वच्छ रखने की बात कही। कलक्टर व एसपी ने छतरी से बूंदी के सौंदर्य को निहारा ओर पर्यटन योजनाओं की चर्चा की। इसके पश्चात दल टीवी टावर पहुंचा और वहां का निरीक्षण किया। फिर चामुंडा दरवाजे से होते हुए ऐतिहासिक तारागढ़ पहुंचा। तारागढ़ में जे.पी. शर्मा ने कलक्टर व एसपी को गढ़ के विभिन्न हिस्सों का विस्तृत निरीक्षण करवाया तारागढ़ के बाद हेरिटेज वॉक दल गढ़ पैलेस स्थित विश्व प्रसिद्ध चित्रशाला पहुंचा। जिला कलक्टर ने चित्रशाला में चल रहे जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया तथा संरक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। हेरिटेज वॉक का अंतिम पड़ाव लक्ष्मी नारायण मंदिर रहा। मंदिर संचालन समिति के पदाधिकारियों ने मंदिर से संबंधित आवश्यक जीर्णोद्धार एवं संरक्षण कार्यों के लिए जिला कलक्टर महोदय के समक्ष निवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अरिहंत सिंह चरड़ास ने बताया कि बूंदी की ऐतिहासिक धरोहरों को पैदल भ्रमण मार्गों से जोड़कर व्यवस्थित हेरिटेज वॉक रूट विकसित किए जा सकते हैं, जिससे पर्यटकों को बूंदी के इतिहास, स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिलेगा तथा शहर में पर्यटन गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। हेरिटेज वॉक में अजय नुवाल,नारायण मण्डोवरा, रामप्रकाश सैनी, शैलेन्द्र भाकल, नवीका भाकल, हिमांशु सिंह, अमर सिंह, विष्णु पोसवाल, राजेन्द्र सिंह मीणा, प्रसुन बाहेती, अभिषेक यादव व नारायण झंवर शामिल रहें।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दी आहुति

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सानिध्य में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ हुआ। पांच पारियों में आयोजित यज्ञ में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ भगवान को आहुतियां अर्पित कर लोककल्याण, सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, वेद माता मां गायत्री और गुरु सत्ता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद गायत्री परिवार राजस्थान की सह समन्वयिका गायत्री कचोलिया के नेतृत्व में अनीता महामना, सुनीता महामना और शीला महामना ने वैदिक विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। तीनों सगी बहनों ने मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं को यज्ञ में आहुति का महत्व बताया। अनीता महामना ने तबला वादन भी किया। कई श्रद्धालुओं ने भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुरूप यज्ञ के साथ जन्मदिन संस्कार भी कराया। गायत्री कचोलिया ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा है। यज्ञ केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि वातावरण की शुद्धि, विचारों के परिष्कार और लोकमंगल की भावना को जागृत करने का माध्यम है। यज्ञ में आहुति के साथ व्यक्ति अपने भीतर के नकारात्मक भावों का त्याग कर सेवा, संयम और सद्भाव को जीवन में उतारने का संकल्प लेता है। पूर्णाहुति के बाद गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी के दिनेश आचार्य ने करीब आधे घंटे तक प्रज्ञा गीतों की प्रस्तुति दी। गीतों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिकता, संस्कार और सेवा का संदेश दिया गया।

सायंकालीन

समाचार जगत

आर.एन.आई. नं. 67417/96

श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी- द्वादशी संवत् 2083

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष 30 | अंक 127 | जयपुर, सोमवार 24 अगस्त, 2026 | मूल्य: 2 रुपए

श्री श्री रवि शंकर जी

लोगों को जैसा वे हैं, वैसा ही स्वीकार करें और उनसे प्रेम करें। अपेक्षाएं टूटने पर ही दिल टूटता है।

न्यूज गैलरी

काशी में लाखों श्रद्धालु दर्शन कर चुके, उज्जैन में चांदी के त्रिशूल-मुकुट से श्रृंगार

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। सावन के चौथे और आखिरी सोमवार पर देशभर के प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। काशी विश्वनाथ, बाबा बैद्यनाथ, महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर मंदिरों में देर रात से ही दर्शन और जलाभिषेक के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। बड़ी संख्या में कांवड़िए भी भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे। झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम के कपाट सुबह 3:15 बजे खोले गए। पूजा-अर्चना के बाद सुबह 4:10 बजे आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन शुरू हुए। यहां श्रद्धालुओं की करीब 4 किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती के बाद कपाट खोले गए। श्रद्धालुओं को छह द्वारों से प्रवेश दिया जा रहा है और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। सुबह 7 बजे तक करीब 1.05 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में तड़के 2:30 बजे भस्म आरती हुई। भगवान महाकाल का चांदी के त्रिशूल, मुकुट, आभूषण, भांग, चंदन और ड्रायफ्रूट से विशेष श्रृंगार किया गया। वहीं, ओंकारेश्वर में शाम की पारंपरिक सवारी के दौरान हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी। भोपाल के पास भोजेश्वर मंदिर में भगवान शिव का 6 क्विंटल फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया।

नागपुर में क्लोरीन गैस लीक, 40 से ज्यादा लोग बीमार

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर के गोधनी इलाके में देर रात करीब 1 बजे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन गैस लीक हो गई। 900 किलो क्षमता वाले सिलेंडर से गैस निकलकर आसपास के रिहायशी इलाकों में फैल गई। इससे 40 से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ गई। कई लोगों को खांसी और सांस लेने में परेशानी हुई। पुलिस और प्रशासन ने आसपास के लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी।

पश्चिमी अफ्रीका: गिनी में कूड़े का पहाड़ धंसा, 30 लोगों की मौत

कोनाक्री, एजेंसी। गिनी की राजधानी में एक लैंडफिल (कचरा डंपिंग साइट) पर हुए भूस्खलन में 30 लोगों की मौत हो गई। सरकार ने बताया कि रात भर हुई भारी बारिश के कारण कचरे का एक विशाल ढेर ढह गया, जिसकी चपेट में पास के टेंट और झुग्गियां आ गईं। सरकारी बयान के मुताबिक, कोनाक्री के गबेसिया इलाके में तड़के करीब 2 बजे (0200 GMT) भूस्खलन हुआ। बयान में कहा गया है कि इसमें 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से और 16 अन्य मामूली रूप से घायल हुए। बचावकर्मी लैंडस्लाइड वाली जगह को साफ करने के लिए खुदाई करने वाली मशीनों और दूसरे औजारों का इस्तेमाल कर रहे थे।

कल्याण की बात...

महँगाई डाकण बणी,
डसर्'ही घर-परिवार।
जन को दुख जाण्यां बिना,
ऐ क्यां की सरकार।।
@कल्याण सिंह शेखावत

सावन के अंतिम सोमवार को शिव भक्ति में डूबी गोविंद की नगरी

शाम को झारखंड और ताड़केश्वर महादेव सहित अन्य मंदिरों में सजेगी विशेष झांकी

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। भगवान शिव के प्रिय सावन के पवित्र माह के आखिरी सोमवार और द्वादशी युक्त एकादशी के विशेष योग पर सोमवार को छोटी काशी जयपुर पूरी तरह शिवमय नजर आई। अलसुबह से ही शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। हर-हर महादेव के जयकारों से शिवालय गूंज उठे। भक्तों ने विधि-विधान से भगवान शिव का दुग्धाभिषेक और जलाभिषेक कर बिल्व पत्र, पुष्प, आक-धतूरा, गुलाब की माला और मिष्ठान अर्पित किए तथा आरती कर सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के क्वींस रोड स्थित झारखंड महादेव मंदिर, चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर, दूध मंडी

झोटवाड़ा रोड स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर, भूतेश्वर महादेव मंदिर, रंगीला महादेव मंदिर और छोटी चौपड़ स्थित रोजगारेश्वर महादेव मंदिर सहित शहर के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। भक्तों ने अपनी बारी आने पर भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा की। वहीं कॉलोनियों और मोहल्लों के शिव मंदिरों में भी श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना में जुटे रहे।

सावन के अंतिम सोमवार पर कांवड़ियों में भी विशेष उत्साह रहा। कांवड़िए गलता तीर्थ, पुष्कर सरोवर सहित अन्य पवित्र तीर्थस्थलों से कलशों में पवित्र जल भरकर कांवड़ लेकर जयपुर पहुंचे। उन्होंने भगवान शिव का पवित्र जल से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। कई कांवड़ यात्राओं के दौरान भोलेनाथ के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। शहर के कई मंदिरों में अखंड रामचरितमानस पाठ, कीर्तन और भजन सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। अनेक शिवालयों में रुद्राभिषेक के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। शाम को ताड़केश्वर महादेव, झारखंड महादेव, चमत्कारेश्वर महादेव और रोजगारेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में भोलेनाथ की विशेष झांकी सजाई जाएगी। श्रद्धालु विशेष झांकी के दर्शन करेंगे। इसके बाद महाआरती होगी और भक्तों को प्रसादी का वितरण किया जाएगा। अंतिम सोमवार को लेकर मंदिरों में सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

भरतपुर: सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत, चार घायल

समाचार जगत ब्यूरो

भरतपुर। लखनपुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-21 पर देर रात और अलसुबह हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत हो गई, जबकि चार कांवड़िए घायल हो गए। दोनों हादसों में बाइक सवार कांवड़ियों को पीछे से तेज रफ्तार वाहनों ने टक्कर मारी। थाना अधिकारी विजय सिंह छौंकर ने बताया कि रात करीब डेढ़ बजे डेहरा गांव के पास नेशनल हाईवे-21 पर डाक कांवड़ लेकर जा रहे तीन बाइक सवार कांवड़ियों को पीछे से कंटेनर ने टक्कर मार दी। हादसे में रूप सिंह सैनी, चेतराम और हंसराज निवासी उड्दैनी, जिला करौली घायल हो गए। तीनों को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां से जयपुर रेफर कर दिया गया। जयपुर ले जाते समय हलैना में हंसराज की मौत हो गई। शव को हलैना अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की गई। दूसरा हादसा सुबह करीब 4:30 बजे लुलहारा और बांसी गांव के बीच हुआ। यहां नेशनल हाईवे-21 पर बाइक से जा रहे तीन कांवड़ियों को स्लीपर कोच बस ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में हीरा सिंह, रामवीर और गौरव निवासी तिघरिया, जिला करौली गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को आरबीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने रामवीर को मृत घोषित कर दिया। हीरा सिंह और गौरव का उपचार जारी है। रामवीर के शव का पोस्टमार्टम आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में कराया जाएगा।

अमरावती जिला महिला अस्पताल के चाइल्ड यूनिट में आग, तीन नवजातों की मौत

वेंटिलेटर में धमाके के कारण हादसा, 39 बच्चे भर्ती थे

एजेन्सी

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। हादसे में 3 नवजातों की मौत हो गई। घटना अस्पताल की तीसरी मंजिल पर हुई, जहां आग के बाद धुआं फैल गया। उस समय एनआईसीयू में

39 नवजात भर्ती थे। आग लगते ही डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मचारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर कई बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक एनआईसीयू के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग की चपेट में आने से इनमें से 3 की मौत हो गई, जबकि बाकी 6 को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है।

सिलक्यारा-पोलगांव सुरंग में फिर भूस्खलन

उत्तरकाशी, एजेंसी। चारधाम सड़क परियोजना में यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा-पोलगांव सुरंग के अंदर फिर भूस्खलन का मामला सामने आया है। सुरंग के पोलगांव बड़कोट छोर से करीब डेढ़ किमी अंदर भूस्खलन होने की सूचना है। इससे सुरंग के अंदर मलबा पसर गया है। वहीं, निर्माणाधीन सुरंग में मलबे से सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि निर्माण कंपनी ने खतरे से इंकार किया है। बता दें कि वर्ष 2023 में सिलक्यारा सुरंग के अंदर सिलक्यारा छोर से करीब 200 मीटर अंदर भारी भूस्खलन हुआ था, जिसके चलते सुरंग निर्माण में लगे 41 श्रमिक अंदर फंस गए थे, जिन्हें 17 दिन तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सकुशल बाहर निकाला गया था।

सीएम भजनलाल ने जेटली, शहीद राजगुरु और कौशल को किया नमन

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया मंच एक्स पर तीन अलग-अलग पोस्ट कर पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण जेटली, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद शिवराम हरि राजगुरु और भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रघुवीर सिंह कौशल को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना, दूरदर्शी नेतृत्व, उत्कृष्ट संसदीय परंपराओं और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने अरुण जेटली को प्रखर विधिवेत्ता और 'पद्म विभूषण' से सम्मानित शेष पृष्ठ छह पर

यमुना बाढ़ क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने के सभी आरोपों से 'द आर्ट ऑफ लिविंग' बरी

सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी के फैसले और उससे जुड़ी सभी अंतरिम कार्रवाइयों को किया निरस्त

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के एक महत्वपूर्ण फैसले के साथ वर्ष 2016 में आयोजित 'वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल' को लेकर 'द आर्ट ऑफ लिविंग' के खिलाफ पिछले एक दशक से चल रहे आरोपों और मीडिया ट्रायल पर विराम लग गया है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के फैसले के साथ उससे जुड़ी सभी परिणामी अंतरिम कार्रवाइयों को भी निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में महत्वपूर्ण रूप से कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री से यह साबित होता है कि 'द आर्ट ऑफ लिविंग' द्वारा आयोजित वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल से यमुना के बाढ़ क्षेत्र को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। अदालत ने यह भी कहा कि 'द आर्ट ऑफ लिविंग' जमा कराए गए 5 करोड़ रुपये की पूरी राशि वापस पाने का हकदार है। प्रेस रिलीज के अनुसार, इस राशि को गलत तरीके से 'जुर्माना' बताया गया था, जिसका उद्देश्य शेष पृष्ठ छह पर

केरल की केजिया लिज मेजो बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया-2026

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। केरल की केजिया लिज मेजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया-2026 का खिताब जीत लिया। उन्हें मिस यूनिवर्स इंडिया-2025 मनिका विश्वकर्मा ने क्राउन पहनाया। केजिया अब इंटरनेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस साल के अंत में प्यूर्टो रिको में होने वाली 75वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में दुनिया के विभिन्न देशों की ब्यूटी क्वीन हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता में तमिलनाडु की वैष्णवी गणेश फर्स्ट रनर-अप और गुजरात की अनुश्री सातवलेकर सेकंड रनर-अप रहीं। जयपुर के जी-स्टूडियो में रविवार देर रात 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2026' फिनाले आयोजित हुआ। शेष पृष्ठ छह पर

बिहार-मधेपुरा के मंदिर में धक्का-मुक्की, 8 लोग घायल

मधेपुरा, एजेंसी। सावन के अंतिम सोमवार पर मंदिरों में भीड़ है। मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में भीड़ बेकाबू हो गई। भीड़ इतनी बढ़ गई कि अफरा-तफरी हो गई। जैसे-जैसे भीड़ बढ़ी जलाभिषेक के लिए धक्का-मुक्की शुरू हो गई। कतार टूटने से भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। लाइन में लगे कुछ लोग गिर गए। इस दौरान महिला और बुजुर्ग श्रद्धालु का सिर फट गया, करीब 8 लोग घायल हुए है। भीड़ को कंट्रोल करने के दौरान ड्यूटी में लगे एक पुलिसकर्मी को भी चोट आई है। उनकी वर्दी फट गई है। घायलों को जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ईरान होर्मुज में जहाजों से टोल वसूलेगा, संसद की मंजूरी

रियाल और पसंद की करेंसी में लेगा पेमेंट बदले में सुरक्षा और इंश्योरेंस देगा

एजेन्सी

तेहरान। ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल यानी फीस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ईरान की एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जिन देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, उनसे समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क लिया जाएगा।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन काशकवी के

मुताबिक, फीस के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके अलावा पर्यावरण संबंधी सेवाएं और खास परिस्थितियों में ईंधन भी दिया जाएगा भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की किसी दूसरी करेंसी में किया जा सकेगा।

अमेरिकी वित्त मंत्री बोले- ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग शुरू

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन अब ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग के आखिरी दौर में पहुंच गया है। बेसेंट के मुताबिक अमेरिका का मकसद ईरान की कमाई के बड़े रास्ते बंद करना है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी सभी सरकारी एजेंसियों और अधिकारों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने इस अभियान को 'इकोनॉमिक डी-डे' बताया। इससे पहले ट्रम्प ने इसे किसी विरोधी देश के खिलाफ सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया था और दूसरे देशों से ईरान को अलग-थलग करने में साथ देने की अपील की थी।

ईरान की खाड़ी देशों को चेतावनी: ईरान ने अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई में साथ देने वाले खाड़ी देशों को चेतावनी दी है। ईरान के नए राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई ने कहा कि जो देश ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने में अमेरिका का साथ देगा, उसे दुश्मन माना जाएगा।

बिजली फॉल्ट ठीक करने पहुंची एफआरटी टीम पर पथराव

युवकों ने गाड़ी के आगे बाइक लगाकर किया हमला, घटना के बाद अवैध कनेक्शन काटे

समाचार जगत ब्यूरो

श्रीगंगानगर। जवाहर नगर थाना क्षेत्र में बिजली फॉल्ट ठीक करने पहुंची एफआरटी टीम की गाड़ी के आगे बाइक लगाकर 5-6 युवकों ने रास्ता रोक लिया और कर्मचारियों पर पथराव कर दिया। युवकों ने बिजली आपूर्ति बहाल करने में देरी का आरोप लगाते हुए बिजली विभाग के कर्मचारियों के साथ धक्का-मुक्की भी की। घटना रविवार रात करीब 11 बजे लोहिया पार्क के पास वार्ड नंबर-46 में हुई। जानकारी के अनुसार, बिजली लाइन में फॉल्ट आने से वार्ड के कई घरों की बिजली बंद हो गई थी। सूचना मिलने पर एफआरटी टीम मौके पर पहुंची और लाइन की मरम्मत करते हुए फ्यूज बदलने का काम शुरू किया। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और टीम की गाड़ी के आगे बाइक खड़ी कर दी। इसके बाद बिजली ठीक करने में देरी का आरोप लगाते हुए युवकों ने गाड़ी पर पथराव शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। जवाहर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी युवक फरार हो चुके थे। घटना के बाद बिजली विभाग की टीम ने मोहल्ले में चल रहे अवैध बिजली कनेक्शनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें काट दिया। पथराव के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई, शेष पृष्ठ छह पर

सागर बून्द समाय

दु :ख को यदि मिटाना है तो हमें पहले दु :ख के स्त्रोत को मिटाना अनिवार्य है।

■ आचार्य विद्यासागरजी

संपादकीय...

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के खिलाफ की बड़ी आर्थिक कार्रवाई करने की घोषणा

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई शुरू होने के करीब छह महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सैन्य हमलों से झुकाने में असफल रहने के बाद अपने अभियान को अब जिस भाषा और स्वर में आगे बढ़ाया है, वह पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट को एक और नए व्यापक आर्थिक मोर्चे की ओर ले जाने का संकेत देता है। दरअसल ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक की सबसे कठोर आर्थिक कार्रवाई का ऐलान किया है, जिसे उन्होंने इकनॉमिक डी–डे नाम दिया है। डी–डे शब्द द्वितीय विश्व युद्ध के उस दौर की याद दिलाता है, जब मित्र देशों की सेनाएं फ्रांस के नॉरमेंडी तट पर उतरी थी। यूरोप की मुख्य भूमि पर मित्र देशों की सेनाओं द्वारा किए गए उस जल–थल हमले ने ही जर्मनी के पतन की शुरुआत की थी। ट्रंप ने अपने इकनॉमिक डी–डे के तहत उन देशों को चेतावनी दी है जो किसी भी रूप में ईरान के साथ सहयोग कर रहे हैं। साफ है कि अमेरिका अब केवल ईरान पर प्रतिबंध लगाकर संतुष्ट नहीं है, बल्कि वह बाकी दुनिया के साथ सभी संबंधों को काटना चाहते हैं और इस तरह देश की अर्थव्यवस्था का दम घोंटना चाहते हैं। साथ ही वह यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दुनिया के दूसरे देश भी तेहरान के साथ अपने आर्थिक रिश्तों पर पुनर्विचार करे। ट्रंप की रणनीति ईरान के इर्द–गिर्द पनपी अवैध तेल अर्थव्यवस्था पर शिकंजा कसने पर केंद्रित है। जिसमें ईरानी तेल की तस्करी और तीसरे देशों के जरिए धन के अवैध हस्तांतरण से जुड़े नेटवर्कों की कमर तोड़ना शामिल है। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रंप ने लिखा कि ईरान को अमेरिका के साथ समझौता करने का सबसे बड़ा मौका दिया गया था। इसलिए आज मैं किसी भी देश के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई की घोषणा कर रहा हूं। ट्रंप ने कहा कि जो भी ईरान की मदद करने वाले देश को भी बड़े आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। इसमें वित्तीय संस्थान, कारोबार, हवाई अड्डे और सरकारी संस्थाएं शामिल है। ट्रंप ने तेल तस्करी–स्वैप लाइन, नकद लेन देन, एक्सचेंज हाउस, जहाजों के पंजीकरण और ईरान की मदद करने वाली छिपी हुई कंपनियों को तुरंत रोकने की बात कही। साथ ही अमरिका के सहयोगी देशों से ईरान के खतरे को कम करने के लिए साथ देने की अपील भी की। ट्रंप ने कहा कि ये सिरफिरे लोग हार की कगार पर है और ये ऐतिहासिक कदम उनकी आतंक फैलाने की क्षमता को पंगु बना देंगे। ट्रंप ने कहा कि यह अभूतपूर्व स्तर पर आर्थिक युद्ध और अलग–थलग करने की कार्रवाई होगी। यह एक इकोनॉमिकि डी–डे होगा। ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि ट्रंप की घोषणा के बाद चीनी विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रतिबंधों और दबाव से यह मसला हल नहीं होगा। संबंधित पक्षों से जिम्मेदार कदम उठाने की अपील करते हुए चीन ने राजनीतिक व कूटनीतिक तरीकों से मसले को हल करने का आह्वान किया। दूसरी ओर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस ऐलान को आर्थिक आतंकवाद करार दिया है। एक्स पर उन्होंने लिखा कि इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था और देशों की संप्रभुता को खतरा है। अमेरिका इस समय कर्ज और बढ़ती ब्याज लागत से जूझ रहा है। ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के दावों के बीच अमेरिका ने खुफिया तौर पर एक शिपिंग कॉरीडोर तैयार किया है। इसके जरिए हर रात 15 से 20 तेल टैंकर गुजर रहे हैं। इस कारण रोज करीब एक करोड़ बैरल तेल वैश्विक बाजार में पहुंच रहा है। यह जलमार्ग ओमान तट के करीब है। बीते दो माह से तटीय इलाकों में अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की निगरानी क्षमता कम हुई है। इस कारण कॉरिडोर से जहाजों का निकलना संभव हुआ है। जाहिर है इससे ईरान के तेल कारोबार और उसक वित्तीय लेन देन पर असर पड़ सकता है। यहां यह भी बता दें कि ईरान पहले भी वर्षों तक अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करता रहा है। इसके बावजूद उसने अपनी आर्थिक गतिविधियों के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाशे हैं। चीन, रूस व कुछ अन्य देशों के साथ उसके संबंध उदाहरण है। व्यापक प्रतिबंधों के बाद भी किसी देश को पूरी तरह से वैश्विक आर्थिक व्यवस्था से काट देना आसान नहीं है। ट्रंप प्रशासन की चुनौती यहीं से शुरू होती है। अगर अमेरिका अब उन देशों को भी निशाना बनाता है जो ईरान के साथ व्यापार कर रहे हैं तो यह टकराव केवल अमेरिका और ईरान के बीच नहीं रहेगा। तेल बाजार में किसी भी बड़ी अस्थिरता का असर वैश्विक व्यापार, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था पर भी पड़ेगा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय गतिविधियों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर अमेरिका और उसके सहयोगियों की आशंकाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन पश्चिम एशियाई संकट के स्थायी समाधान आर्थिक घेराबंदी से संभव नहीं है। दबाव का उद्देश्य यदि बातचीत की मेज पर पहुंचना है तो वह समझ में आता है। पर यदि दबाव ही अंतिम नीति बन जाए तो उसके परिणाम अप्रत्याशित भी हो सकते हैं। पश्चिम एशिया पहले ही युद्ध और अस्थिरता से जूझ रहा है। ऐसे में एक व्यापक आर्थिक टकराव स्थिति को और जटिल ही करेगा। अमेरिका की सबसे बड़ी बाधा चीन है जो कि ईरानी सामान और तेल का सबसे बड़ा खरीददार है और ईरान को जरूरत का सामान उपलब्ध कराता है और युद्ध के दौर में चीन की अहम भूमिका रही, ईरान को ताकत देने में।

यदि आर्थिक दबाव ही अंतिम नीति बन जाए तो परिणाम अप्रत्याशित भी हो सकते हैं। पश्चिम एशिया पहले ही युद्ध व अस्थिरता से जूझ रहा है। ऐसे में एक व्यापक आर्थिक टकराव स्थिति को और जटिल ही करेगा

लड़कर तरक्की पा ली-1

बाबू ईशानचन्द्र मुकर्जी या हाथी बाबू भी 25 बरस कौंसिल के मेम्बर रहे– अप्रैल 1901 से जुलाई, 1925 तक और यद्यपि वे चीफ मेम्बर या प्रधानमंत्री तो नहीं बने, किन्तु एक बड़े बाप के बेटे और महाराजा के विद्यागुरु तथा बगड़ी के जागीरदार के अतिरिक्त कौंसिल के मेम्बर होने के कारण उनका दबदबा भी खूब रहा। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने एक निष्पक्ष और ईमानदार हाकिम की ख्याति अपने सेवा–काल के आरंभ में ही अर्जित कर ली थी जब वे अपीलेट कोर्ट के जज थे। पक्षपात रहित और न्यायप्रिय होने के साथ–साथ वे बड़े सहृदय और दयालु थे और गरीबों के सहायक। उनकी दयालुता और न्याय–प्रियता के किस्से जयपुर में आज तक कहे जाते हैं। उनके जज बनने के थोड़े ही दिन बाद उन्हें किसी अपराधी को कड़ी सजा सुनानी पड़ी। सजा पाने वाला अपराधी तो था, किन्तु था बड़ा गरीब और फटेहाल। सजा सुनकर वह न्यायालय में ही रो पड़ा। हाथी बाबू ने फैसला सुनाने के बाद उसकी दशा को देखा तो भारी मन से उठकर घर आ गए और उनकी आंखों में आंसू छल छला आए। मां सौदामिनी ने बेटे की उदासी का हाल मालूम होने पर कांति बाबू से कहा तो तत्कालीन शासन के सर्वेसर्वा कांति बाबू ने कहा कि उसे चूड़ियां पहनाकर जनानी हवेली में ही बैठा रखो, नौकरी करनी है तो इन्साफ तो करना ही पड़ेगा।

भाजपा के ट्रबल शूटर थे जेटली, वाजपेयी और मोदी सरकारों के थे नवरत्न

पुण्यतिथि विशेष

■ योगेश भावरा

भारत की राजनीति में शुचिता और साफ-सुथरी राजनीति के लिए कुछ राजनेताओं ने नवरत्न बनकर काम किया है। दिल्ली में जन्मे भारत के पूर्व वित्त वाणिज्य मंत्री एवम मशहूर वकील दिवंगत अरुण जेटली भी एक ऐसे ही राजनेता थे। वह दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन के भी अध्यक्ष रहे जो भाजपा के ट्रबल शूटर माने जाते थे।

वाजपेयी और मोदी सरकारों में नवरत्न की तरह भूमिका निभाने वाले अरुण जेटली दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति से उठे और देश के फलक पर छा गए।

अरुण जेटली मेरे गुजरात में पत्रिकारिता के वर्षों में गुजरात भाजपा के प्रभारी थे। उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गुजरात भेजा था।आज अरुण जेटली की पुण्यतिथि है। अब उनके परिवार में पुत्र रोहन जेटली और पुत्री सोनाली जेटली तीसरी पीढ़ी में वकालत के नोबल प्रोफेशन से जुड़कर सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रहे हैं और अरुण जेटली के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

अरुण जेटली से मेरा परिचय तब हुआ जब वे गुजरात भाजपा के प्रभारी बनकर आए, मैं गुजरात में एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के गुजरात ब्यूरो प्रमुख के तौर पर सेवाएं दे रहा था। प्रभारी होने के नाते वे अक्सर भाजपा की बैठकें लेने नियमित तौर पर गुजरात आते थे। मेरा उनसे परिचय हुआ जो समय के साथ प्रगाढ़ होता गया और वह अक्सर मुझे बुलाकर गुजरात भाजपा का फीडबैक लेने लगे। कहना चाहिए कि वे भाजपा के ट्रबल शूटर थे ।

28 दिसंबर 1952 को नई दिल्ली में महाराज किशन जेटली और माता रत्न प्रभा जेटली के यहां जन्मे अरुण जेटली की शिक्षा नई दिल्ली के सेंट जेवियर स्कूल से हुई थी। छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ गए थे। दिल्ली के मशहूर श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से स्नातक और दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त करने वाले अरुण जेटली दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष भी रहे। 1977 में वकालत व्यवसाय में उतरे और छात्र राजनीति से शुरुआत कर राजनीतिक सफर में अनेक पायदान तय करते हुए वे भारत के वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री, कॉमर्स और उद्योग मंत्री, कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्री,कानून व न्याय मंत्री जैसे अहम पदों पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रीमंडलों में सहयोगी मंत्री रहे। वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी रहे।

गुजरात की राजनीति में 2001 में तत्कालीन मुख्यमंत्री केशु भाई पटेल के कपकपाते ताज को संभालने के लिए जब गुजरात के भाजपा नेता नरेंद्र मोदी को 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनाकर भेजने का फैसला किया तो उनके नाम की अनुशंसा करने वालों में भाजपा के शिखर पुरुष लालकृष्ण आडवाणी और तत्कालीन कानून और न्याय मंत्री अरुण जेटली भी थे। अरुण जेटली 23 जुलाई 2000 से 22 मई 2004 तक केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री भी थे और इससे पूर्व भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्री भी वाजपेई सरकार में ही रहे थे इसलिए उनसे अहम राय ली गई।

हालांकि वर्तमान प्रधानमंत्री स्वयं मोदी भी तत्कालीन प्रधानमंत्री बाजपेयी के उन्हें गुजरात का मुख्यमंत्री बनाने को लेकर आश्चर्य चकित थे। मोदी गुजरात दंगों और अक्षरधाम पर आतंकवादी हमलों जैसे अनेक संकटों का सामना कर 2002 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में बहुमत से जीतकर निर्वाचित मुख्यमंत्री बने।

पंजाबी हिंदू ब्राह्मण परिवार में जन्मे जेटली 1980 में भाजपा में सक्रिय हो गए। मेरा सौभाग्य रहा कि गुजरात में पत्रकारिता केदौरान उनसे अनेक बार साक्षात्कार लेने और पत्रकार वार्ताओं में रूबरू मिलने का मौका मिला।

सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रहे जेटली के गुजरात आगमन पर एक बातचीत के दौरान मैंने अपने स्वतंत्रता सेनानी और भरतपुर के मशहूर अधिवक्ता रहे दिवंगत वकील मेरे पिता गोपाल राम भावरा के विषय में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से 1950 में लॉ ग्रेजुएट होने के बारे में बताया तो मेरे पिता के बारे में जानकर वे प्रसन्न हो गए क्योंकि वे खुद भी दिल्ली विश्वविद्यालय से ही लॉ ग्रेजुएट थे और उन्होंने मुझसे कहा कि मैं अपने पिता को उनसे मिलाने दिल्ली लेकर आऊं। गुजरात में उनके प्रभारी रहने के कारण उनका अक्सर अहमदाबाद के शाही बाग एनेक्सी हाउस या गांधीनगर में रुकना होता था ।वे अक्सर अंग्रेजी के टाइम्स आफ इंडिया, हिंदी हिंदुस्तान के पत्रकारों और मुझे राजस्थान पत्रिका से जुड़े होने के कारण अक्सर बुला लिया करते थे और फीडबैक लेते थे कि गुजरात भाजपा में क्या चल रहा है। गुजरात भाजपा के प्रभारी रहने के दौरान अक्सर सभी कार्यक्रमों में आते थे, उस समय वाजपेयी सरकार में शिखर पुरुष लालकृष्ण आडवाणी उप प्रधानमंत्री और देश के गृहमंत्री के साथ गांधीनगर से सांसद भी थे, इसलिए बैठकों के अलावा कांकरिया तलाव पर होने वाले लेजर शो, अहमदाबाद में मकर संक्रांति पर होने वाले पतंग उत्सव और 2003 और 2005 के वाइब्रेट गुजरात निवेशक सम्मेलनों में भी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

2004 के लोकसभा चुनाव के समय महाराष्ट्र के दिग्गज नेता दिवंगत प्रमोद महाजन गुजरात के पोरबंदर से शुरू की गई उप प्रधानमंत्री आडवाणी और तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी की भारत उदय यात्रा में महाजन संयोजक और अरुण जेटली उपसंयोजक थे। हालांकि उस चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री बाजपेयी के सहयोगी प्रमोद महाजन और थिंक टैंक ने जब इंडिया शाइनिंग का दाव खेला तो वह उल्टा पड़ गया वाजपेई जैसे उदारवादी प्रधानमंत्री के रणनीतिकार गच्चा कहा गए और आडवाणी की भारत उदय यात्रा के बाद भी भाजपा केंद्र में सत्ता से बाहर हो गई। भारत उदय यात्रा के पोरबंदर से अप्रैल 2004 में आगाज होने पर मैं भी उस कार्यक्रम को कवर कर रहा था। जेटली उस यात्रा में तत्कालीन उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और सीएम मोदी की तरह हर जगह यात्रा में साथ नहीं थे किंतु बीच-बीच में यात्रा में शामिल होते थे। ऐसे ही एक कार्यक्रम के बाद जूनागढ़ में जब मैंने पूछा कि प्रधानमंत्री बाजपेयी लोकसभा चुनाव को लेकर क्या सोचते हैं, तब वे बोले, बाजपेयी जी आशान्वित है कि एनडीए सत्ता में लौट रही है ।मैंने पूछा मगर कैसे? तो वे बोले पूरा देश वाजपेयी को चाहता है। ऐसे ही वे वाइब्रेंट गुजरात निवेशक सम्मेलन में 2003 में सम्मिलित होने आए थे। उस सम्मेलन में उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश विदेश के नामचीन उद्योग पति शामिल हुए। उसमें रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी, अडानी समूह के गौतम अडानी और बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला भी थे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के तौर पर अरुण जेटली कार्यक्रम में आए थे। उस समय वे केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री भी थे ।अरुण जेटली से जब मैंने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूछा कि बॉयब्रेंट गुजरात और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में क्या संभावनाएं हैं तो वे बोले, वाइब्रेंट गुजरात और राजनेता के तौर पर नरेंद्र मोदी में असीम संभावनाएं हैं और वे दोनों ही भारत के भाग्य विधाता होंगे । उनकी उस समय कहीं बात आज 23 साल बाद भी उतनी ही सच है और वाइब्रेट गुजरात 2025 के संस्करण के बाद अब 2027 में आयोजित किया जाएगा। मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर लगातार तीसरे कार्यकाल में तमाम तरह की विषमताओं और विपक्ष के पड़ोसी देशों की तरह के दुश्मनी वाले व्यवहार से विकास में अड़ंगा लगाने के बाद भी आगे बढ़े हैं और आज संपूर्ण विश्व में उनकी राजनेता के रूप में स्वीकार्यता है। अरुण जेटली से 2019 में जब मोदी ने दूसरे कार्यकाल में उन्हें मंत्री बनने का आग्रह किया तो स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण उन्होंने मना कर दिया। दो दशकों से मधुमेह रोग से पीड़ित जेटली दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हो गए और उनको अमेरिका में चल रहे उपचार के बाद अगस्त 2019 में ऑल इंडिया मेडिकल साइंस नई दिल्ली में भर्ती कराया गया, किंतु उनका स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 23 अगस्त को ज्यादा बिगड़ गया और 24 अगस्त 2019 को 66 वर्ष की अवस्था में उनका निधन हो गया। उनकी कमी भाजपा के ट्रवल शूटर के तौर पर आज भी भाजपा में खलती है।

(लेखक के निजी विचार है)

खोती छोटी खुशियाँ

■ डॉ. अर्चना गोदारा
सहायक आचार्य–समाजशास्त्र, स्वतंत्र लेखक

भारतीय संस्कृति ने सदैव यह सिखाया है कि सुख वस्तुओं में नहीं, संबंधों में बसता है। एक साथ बैठकर भोजन करना, बड़ों का सम्मान करना, बच्चों की बातें सुनना, पड़ोसी के सुख–दुख में सहभागी होना और बिना किसी विशेष कारण के मुस्कुरा देना। यही वे छोटी–छोटी खुशियाँ हैं जो बड़े से बड़े तनाव को हल्का कर देती हैं।

आधुनिक जीवन में सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन छोटी-छोटी खुशियाँ और आत्मीय रिश्ते कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। मोबाइल, व्यस्त दिनचर्या, एकल परिवार और बदलती जीवनशैली ने संवाद व अपनापन कम किया है। यह लेख सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टि से इस बदलाव का विश्लेषण करते हुए बताता है कि वास्तविक सुख भौतिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि परिवार, रिश्तों, संवेदनाओं और साथ बिताए गए छोटे-छोटे पलों में निहित है।

आप याद कीजिए उन पुराने पलों को जब खुशियाँ खोजनी नहीं पड़ती थीं, वे हमारे जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थीं। शाम ढलते ही आँगन में बिछी चारपाइयाँ, दादी-नानी की कहानियाँ, बिना किसी अवसर के साथ बैठकर भोजन करना, पड़ोसी के घर बिना सूचना पहुँच जाना, बच्चों की खिलखिलाहट और परिवार के बीच बिताए गए कुछ निश्चिंत पल-यही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति मानी जाती थी। आज सुविधाएँ पहले से कहीं अधिक हैं, आय बढ़ी है, तकनीक ने जीवन को सरल बनाया है, लेकिन इसके बावजूद एक प्रश्न बार-बार मन को झकझोरता है। क्या हमारी छोटी-छोटी खुशियाँ हमसे दूर होती जा रही हैं? यह प्रश्न केवल भावनाओं का नहीं, बल्कि समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और मानव व्यवहार का भी विषय बन चुका है। आज हमारे पास समय बचाने वाली मशीनें हैं, लेकिन अपनों के लिए समय नहीं है। हजारों ऑनलाइन मित्र हैं, लेकिन मन की बात कहने वाला कोई नहीं। स्थिति तो यह है कि जिन्हें हम अपनी बहुत सारी फोटो और स्टेटस की स्टोरी दिखना पसंद करते हैं। उनके कमेंट और लाइक को पसंद करते हैं। उन्हें अपने दिल की बात नहीं बता सकते है। क्योंकि वे हमारे दिल ओर विश्वास के करीबी नहीं होते हैं। आधुनिक जीवन की इस विडंबना ने दुनिया भर के शोधकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। World Happiness Report के अध्ययनों में सामाजिक संबंधों, परिवार के साथ समय बिताने और विश्वास को खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा आधार माना गया है। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि केवल आर्थिक समृद्धि ही जीवन-संतोष का आधार नहीं बनती बल्कि मजबूत पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते उससे कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हैं।

भारतीय समाज सदियों से परिवार-केंद्रित संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है। संयुक्त परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का सबसे बड़ा आधार था। घर में दादा-दादी का अनुभव, माता-पिता का स्नेह, चाचा-चाची का अपनापन और बच्चों की सामूहिक परवरिश जीवन को सहज बनाती थी। समय के साथ शिक्षा, रोजगार और शहरीकरण ने परिवारों की संरचना बदली और संयुक्त परिवारों का स्थान एकल परिवारों ने लेना शुरू किया। यह परिवर्तन स्वाभाविक था और इसके अनेक सकारात्मक पक्ष भी हैं, जैसे आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत निर्णयों की स्वतंत्रता। लेकिन इसके साथ भावनात्मक दूरी भी बढ़ी। आज एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार घंटों एक-दूसरे से बात नहीं करते। भोजन की मेज पर भी संवाद की जगह मोबाइल स्क्रीन ने ले ली है। माता-पिता अपने कार्यों में व्यस्त हैं और बच्चे डिजिटल संसार में। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) के 2026 के "Lives, Choices and Futures" सर्वेक्षण में 73 देशों के 1.08 लाख से अधिक युवाओं से बातचीत की गई। अध्ययन का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह था कि अधिकांश युवा आज भी परिवार, स्थायी रिश्तों और साथ रहने की इच्छा रखते हैं, लेकिन आर्थिक दबाव, समय की कमी और बदलती जीवनशैली उनके इन सपनों को कठिन बना रही है। अर्थात् समस्या परिवार की आवश्यकता समाप्त होने की नहीं, बल्कि परिवार के लिए समय कम होने की है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो छोटी-छोटी खुशियाँ तभी जन्म लेती हैं जब व्यक्ति वर्तमान में जीता है। लेकिन आज का मनुष्य वर्तमान से अधिक भविष्य की चिंता और दूसरों से तुलना में उलझा हुआ है। सोशल मीडिया ने तुलना की इस प्रवृत्ति को कई गुना बढ़ा दिया है। कोई अपनी यात्रा दिखा रहा है, कोई नई कार, कोई पुरस्कार और कोई सफलता। देखने वाले को केवल उपलब्धि दिखाई देती है, संघर्ष नहीं। परिणामस्वरूप व्यक्ति अपने जीवन की साधारण खुशियों का मूल्य भूलने लगता है। World Happiness Report 2026 में प्रकाशित अध्ययनों से ज्ञात होता है कि अत्यधिक सोशल मीडिया का उपयोग विशेषकर किशोरों और युवाओं के मानसिक संतुलन तथा जीवन-संतोष पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि सीमित और संतुलित उपयोग की तुलना में अत्यधिक उपयोग चिंता, अकेलेपन और जीवन से असंतोष की भावना को बढ़ा सकता है। रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि वास्तविक सामाजिक संबंध, विश्वास और आमने-सामने का संवाद डिजिटल संपर्क की तुलना में कहीं अधिक संतोष प्रदान करते हैं।

इस बदलते सामाजिक परिदृश्य में कामकाजी माता-पिता की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह कहना उचित नहीं होगा कि दोनों के काम करने से परिवार कमजोर होता है, क्योंकि आज अनेक परिवारों की आर्थिक प्रगति और महिलाओं की आत्मनिर्भरता इसी परिवर्तन का परिणाम है। समस्या काम करने में नहीं, बल्कि समय और भावनात्मक उपस्थिति की कमी में है। बच्चा केवल अच्छी शिक्षा, महंगे खिलौने या आधुनिक सुविधाएँ नहीं चाहता। वह चाहता है कि उसके माता-पिता उसकी बातें सुनें, उसके साथ बैठकर हँसें, भोजन करें और उसके छोटे-छोटे अनुभवों में सहभागी बनें। मनोवैज्ञानिक लगातार इस बात पर बल देते हैं कि बच्चों का आत्मविश्वास और भावनात्मक विकास परिवार के साथ बिताए गए गुणवत्तापूर्ण समय से गहराई से जुड़ा होता है। यदि घर में संवाद कम हो जाए, तो बच्चे धीरे-धीरे अपनी भावनाएँ व्यक्त करना भी कम कर देते हैं। यही दूरी आगे चलकर किशोरावस्था में तनाव, अकेलेपन और पारिवारिक असहजता का कारण बन सकती है। इसलिए परिवार का अर्थ केवल एक छत के नीचे रहना नहीं, बल्कि एक-दूसरे के जीवन में उपस्थित रहना है।

छोटी-छोटी खुशियों के लुप्त होने का एक और कारण हमारी बदलती जीवन-दृष्टि भी है। पहले उपलब्धियाँ जीवन का हिस्सा थीं, आज जीवन उपलब्धियों का हिस्सा बन गया है। पहले त्योहार मिलन का अवसर थे, अब कई बार केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। पहले छुट्टी का अर्थ परिवार के साथ समय बिताना था, अब वह भी मोबाइल, लैपटॉप और अधूरे कार्यालयी कार्यों में बीत जाती है। बच्चों का बचपन भी बदल रहा है। खेल के मैदान की जगह स्क्रीन ने ले ली है और कहानियों की जगह छोटे वीडियो ने। सुविधाओं का विरोध नहीं किया जा सकता, क्योंकि तकनीक ने शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है। आवश्यकता केवल संतुलन की है। यदि दिन के चौबीस घंटों में कुछ समय परिवार, मित्रों, पड़ोस और स्वयं के लिए सुरक्षित रखा जाए, तो जीवन का भावनात्मक संतुलन फिर से स्थापित हो सकता है।

भारतीय संस्कृति ने सदैव यह सिखाया है कि सुख वस्तुओं में नहीं, संबंधों में बसता है। एक साथ बैठकर भोजन करना, बड़ों का सम्मान करना, बच्चों की बातें सुनना, पड़ोसी के सुख-दुख में सहभागी होना और बिना किसी विशेष कारण के मुस्कुरा देना। यही वे छोटी-छोटी खुशियाँ हैं जो बड़े से बड़े तनाव को हल्का कर देती हैं। यही कारण था कि लोग दिन में जैसे ही समय मिलता था, अपने पड़ोसी से बात करना जरूरी मानते थे। यदि व्यस्तता के बीच भी हम अपनों के लिए कुछ समय निकाल सकें, तो खोती हुई छोटी-छोटी खुशियाँ फिर लौट सकती हैं। जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति बैंक खाते का आँकड़ा नहीं, बल्कि वे लोग होते हैं जिनके साथ बैठकर हम बिना किसी कारण के मुस्कुरा सकें। शायद यही मुस्कान मानव जीवन की सबसे सच्ची और सबसे स्थायी खुशी है।

(लेखक के निजी विचार है)

सोशल मीडिया : कर्मबंध का आधुनिक आयाम

■ डॉ. सुनील जैन 'संचय'

मनुष्य जहाँ भी जाता है, अपने साथ केवल शरीर नहीं ले जाता; वह अपने संस्कार, अपने भाव और अपनी चेतना भी साथ लेकर चलता है। उसके पाँव पृथ्वी पर चलते हैं, किंतु उसकी वृत्तियाँ अदृश्य लोक में अपनी छाप अंकित करती रहती हैं। जीवन की प्रत्येक अनुभूति, प्रत्येक प्रतिक्रिया और प्रत्येक संकल्प आत्मा के चारों ओर ऐसे सूक्ष्म वृत्त रचते हैं, जिन्हें सामान्य आँखें नहीं देख पातीं। जैन दर्शन इन्हीं अदृश्य वृत्तों को कर्मबंध की प्रक्रिया के रूप में पहचानता है। यह वह मौन विज्ञान है, जहाँ मनुष्य का भाग्य किसी बाहरी शक्ति से नहीं, बल्कि उसके अपने अंत :करण के रंगों से निर्मित होता है।

कर्म का जन्म हाथों से कम और हृदय से अधिक होता है। बाहरी क्रियाएँ तो केवल दृश्य तरंगें हैं; वास्तविक कंपन तो भावों की गहराइयों में उठते हैं। एक ही वचन किसी के लिए औषधि बन सकता है और किसी के लिए विष, क्योंकि शब्दों से अधिक प्रभाव उनके पीछे छिपी भावना का होता है। यही कारण है कि जैन मनीषा ने कर्म का आधार क्रिया नहीं, बल्कि कषायों से रंगी हुई चेतना को माना है। समय बदलता है तो साधन बदलते हैं, पर मनुष्य का अंत :करण नहीं बदलता। कभी गाँव की चौपाल विचारों का केंद्र होती थी, कभी नगरों के चौराहे संवाद के स्थल थे; आज वही स्थान एक छोटी–सी स्क्रीन ने ले लिया है। हथेली पर सिमटा हुआ यह संसार जितना सुविधाजनक है, उतना ही सूक्ष्म रूप से हमारे भीतर प्रवेश करने वाला भी है। यह केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि भावों का प्रवाह है, जहाँ प्रतिक्षण हमारी चेतना किसी न किसी दिशा में रंगी जाती है। प्रात :काल आँख खुलते ही जब हमारी दृष्टि मोबाइल के प्रकाश से मिलती है, तब अनजाने में हम अपने मन के द्वार भी उसी संसार के लिए खोल देते हैं। दिनभर असंख्य दृश्य, विचार, टिप्पणियाँ, प्रशंसाएँ, आलोचनाएँ, विवाद और आकर्षण हमारी चेतना पर दस्तक देते रहते हैं। हम सोचते हैं कि हम केवल उन्हें देख रहे हैं; किंतु वस्तुत : वे हमें भी गढ़ रहे होते हैं। जिस प्रकार नदी अपने किनारों को धीरे–धीरे बदल देती है, उसी प्रकार डिजिटल संसार हमारी मनोभूमि का आकार बदलता रहता है। जैन दर्शन कहता है कि जहाँ राग है, वहीं बंधन है; जहाँ द्वेष है, वहीं अशांति का आरंभ है। आज सोशल मीडिया राग और द्वेष दोनों का सबसे तीव्र बाज़ार बन चुका है। यहाँ प्रशंसा का आकर्षण भी है, विरोध की उत्तेजना भी; लोकप्रियता का लोभ भी है और प्रतिक्रिया का आवेश भी। मनुष्य अनेक बार यह भूल जाता है कि उसकी उँगलियाँ केवल स्क्रीन पर नहीं चल रहीं, वे उसके संस्कारों की मिट्टी भी गढ़ रही हैं। किसी कटु टिप्पणी पर प्रसन्न होना, किसी अपमानजनक भाषा को बढ़ावा देना, असत्य को बिना परखे आगे पहुँचा देना, हिंसक विचारों को मनोरंजन समझ लेना या किसी की मानहानि में मौन सहमति देना– ये सब केवल डिजिटल गतिविधियाँ नहीं हैं। ये आत्मा के दर्पण पर पड़ने वाले वे सूक्ष्म धब्बे हैं, जो धीरे–धीरे व्यक्तित्व का रंग बदल देते हैं। कर्मबंध की प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म है कि वह केवल किए गए कार्यों को ही नहीं, बल्कि स्वीकृत भावों को भी अपने साथ बाँध लेती है। यह भी सत्य है कि यही माध्यम आत्मोन्नति का सेतु बन सकता है। यदि हमारी उपस्थिति करुणा को विस्तार दे, यदि हमारे शब्द किसी निराश व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जला दें, यदि हमारी अभिव्यक्ति समाज में सद्भाव, सत्य, संयम और सहिष्णुता का वातावरण निर्मित करे, तो वही माध्यम आत्मशुद्धि का साधन बन जाता है। जैसे एक दीपक हजारों दीपों को प्रज्वलित कर स्वयं कम नहीं होता, वैसे ही एक शुभ विचार असंख्य हृदयों में प्रकाश बाँटकर भी अपनी गरिमा बनाए रखता है।

वास्तव में सोशल मीडिया एक दर्पण नहीं, बल्कि एक आवर्धक काँच है। वह हमारे भीतर जो कुछ है, उसे कई गुना बढ़ाकर संसार के सामने रख देता है। यदि भीतर अहंकार है, तो वही मुखर हो उठता है; यदि भीतर करुणा है, तो वही सुगंध की तरह फैलती है। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि तकनीक अच्छी है या बुरी; प्रश्न यह है कि उसे संचालित करने वाला मन कितना निर्मल है। जैन परंपरा ने इंद्रिय–संयम, वाणी–संयम –मन–संयम को साधना का अनिवार्य आधार माना है। आज के युग में इन सबके साथ एक नए संयम की आवश्यकता अनुभव होती है– डिजिटल संयम। यह संयम किसी निषेध का नाम नहीं, बल्कि सजगता का दूसरा नाम है। जो देखने से पहले विवेक, लिखने से पहले संवेदना, प्रतिक्रिया देने से पहले धैर्य और साझा करने से पहले सत्य का परीक्षण कर लेता है, वही आधुनिक युग का सच्चा साधक है। यह स्मरणीय है कि मिटाई गई पोस्ट मिट सकती है, पर उससे उत्पन्न भावों की छाप आत्मा से तत्काल नहीं मिटती। शब्दों को संपादित किया जा सकता है, किंतु चेतना पर अंकित संस्कारों को केवल आत्मजागरण, सम्यक् दृष्टि और सतत आत्मपरिष्कार ही शुद्ध कर सकते हैं। इसलिए डिजिटल जीवन भी उतना ही उत्तरदायित्वपूर्ण है, जितना प्रत्यक्ष जीवन। अंतत: मनुष्य का भविष्य किसी एल्गोरिद्म से नहीं, उसके अंत :करण से निर्मित होता है। हमारी प्रत्येक अभिव्यक्ति आत्मा की दिशा निर्धारित करती है। यदि हमारी उँगलियाँ अहिंसा, मैत्री, समता, क्षमा और सत्य का स्पर्श करेंगी, तो डिजिटल संसार भी साधना का क्षेत्र बन जाएगा। तब सोशल मीडिया कर्मबंध का जाल नहीं, बल्कि आत्मकल्याण का सेतु सिद्ध होगा। युग बदल सकता है, साधन बदल सकते हैं, अभिव्यक्ति के माध्यम बदल सकते हैं; किंतु आत्मा का शाश्वत नियम नहीं बदलता– मनुष्य अंतत: वही बनता है, जिसे वह बार–बार सोचता है, स्वीकार करता है और संसार में प्रसारित करता है।

(लेखक के निजी विचार है)

AI भारत में नौकरियां छीनने से ज्यादा दे रहा

रिपोर्ट- IT सेक्टर में सीनियर कर्मचारियों की डिमांड बढ़ी, जूनियर्स और फ्रेशर्स की मुश्किलें बढ़ीं

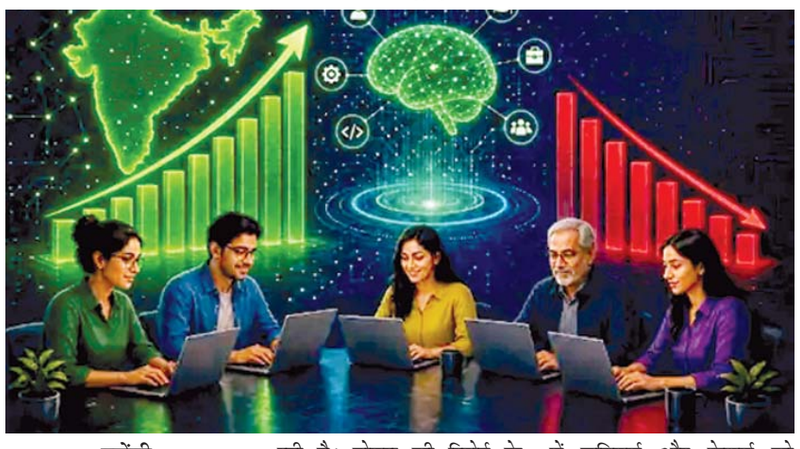

एजेंसी

नई दिल्ली. AI भारत में नौकरियों पर खतरा है। जापानी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नोमुरा की रिपोर्ट इस बात को झुठला रही है। नोमुरा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में AI नौकरियां खत्म करने की तुलना में नए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा कर रहा है। हालांकि, तकनीकी बदलाव की वजह से IT सेक्टर में जूनियर्स और फ्रेशर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत, चीन और फिलीपींस उन देशों में शामिल हैं, जहां AI से नौकरियों का ग्राफ ऊपर गया है।

सीनियर एम्प्लॉइज की डिमांड बढ़ी

नोमुरा ने बाजार में आ रहे बदलाव को K-शेप्ड स्प्लिट का नाम दिया है। यानी रोजगार के लिए बाजार दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ फ्रेशर्स की मांग लगातार गिर रही है, तो दूसरी तरफ अनुभवी सीनियर लोगों की पूछ बढ़ गई है। कंपनियों को अब मैनेजमेंट और बिजनेस की गहरी समझ रखने वाले लोग चाहिए।

दक्षिण कोरिया में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा AI का इस्तेमाल हुआ वहां ऐसा ही ट्रेंड दिखने को मिला है।

कर्मचारियों को बल्क में निकालने की जगह नई भर्तियां कम हुईं : कंपनियां पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बजाय नए लोगों को नौकरी पर रखना ही बंद कर रही हैं। इसे साइलेंट फायरिंग कहा जा रहा है। इसके अलावा, कंपनियों ने कॉलेज कैंपस में जाकर होने वाले प्लेसमेंट को लगभग कम कर दिया है।

टेक सेक्टर में 90% नई नौकरियां

AI की वजह से जो भी नए रोजगार पैदा हो रहे हैं, उनमें से 90% से ज्यादा नौकरियां अकेले टेक्नोलॉजी सेक्टर में आ रही हैं। बाकी सभी सेक्टर्स में हिस्सेदारी 10% से भी कम है।

इन क्षेत्रों में रास्ता खुला : भारत में सबसे ज्यादा डेटा एनोटेशन (डेटा को AI के लिए तैयार करना), भाषा विज्ञान और AI से जुड़ी IT सर्विसेज में नई भर्तियां हो रही हैं।

चीन हमसे आगे : भारत में जहां सपोर्ट और सर्विस वाली नौकरियां आ रही हैं, वहीं चीन में नया AI मॉडल बनाने और डेवलप करने के लिए हाई-स्किल्ड ग्रेजुएट्स काम पर रख रहे हैं।

टेक से बाहर बहुत कम मौके : टेक्नोलॉजी से अलग अन्य सेक्टर्स में गिने-चुने पद ही आ रहे हैं, जैसे बैंकों में 'AI रिस्क एनालिस्ट' या बिना ड्राइवर वाली गाड़ियों के एक्सपर्ट्स।

भारत के लिए आगे की राह और बड़ी परीक्षा

भारत के लिए बड़ी परीक्षा : भारत पूरी दुनिया का 'बैक-ऑफिस' (IT और सर्विस हब) है। जिन आसान और रूटीन कामों के दम पर भारत का आईटी सेक्टर खड़ा है, उन्हें अब AI बहुत आसानी से कर रहा है। इससे हमारे यहां की पारंपरिक नौकरियों पर बड़ा खतरा है।

टैलेंट है हमारी ताकत : खतरा जरूर है, लेकिन भारत के पास लाखों इंजीनियर्स और टेक टैलेंट का बड़ा पूल भी है। अगर हम खुद को अपग्रेड कर लें, तो AI के दौर में आने वाले नए और बड़े अवसरों का सबसे ज्यादा फायदा उठा सकते हैं।

AI तेजी से एडवांस हो रहा : AI अब सिर्फ छोटे-मोटे सीधे काम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खुद फैसले लेने वाले एजेंटिक सिस्टम के रूप में तेजी से बदल रहा है।

टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट-कैप 87,960 करोड़ घटा

एयरटेल टॉप लूजर, वैल्यू 28,052 करोड़ घटी

एजेंसी

नई दिल्ली. बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट रही। इस बीच देश की 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 4 का मार्केट कैप कुल मिलाकर 87,960 करोड़ घटा है। इस दौरान टेलीकॉम सेक्टर की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल की मार्केट वैल्यूएशन में सबसे बड़ी 28,052.96 करोड़ की गिरावट देखने को मिली।

इसकी वैल्यूएशन घटकर 12.15 लाख करोड़ रह गई है। एयरटेल के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप भी घटा है। वहीं 6 कंपनियों- LIC, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, ICICI बैंक और HDFC बैंक की मार्केट वैल्यू बढ़ी है। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 468.42 अंक (0.60%) और NSE निफ्टी 114 अंक (0.46%) नीचे गिरकर बंद हुआ।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

इसे एक उदाहरण से समझें...

मान लीजिए... कंपनी 'A' के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ x 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी। **मार्केट कैप के उतार-चढ़ाव का कंपनी और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?** कंपनी पर असर : बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है। **निवेशकों पर असर :** मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वही, गिरावट से नुकसान हो सकता है, जिससे निवेशक शेयर बेचने का फैसला ले सकते हैं।

न्यूज गैलरी

चीनी एक सप्ताह में 777 रुपये महंगी, सरसों तेल 218 रुपए चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी 777 रुपए और सरसों तेल 218 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया। चावल में भी तेजी रही जबकि दूसरे खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

गेहूं में नरमी रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में गुड़ का औसत भाव 777 रुपए चढ़कर 5,570 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। चीनी के दाम भी 323 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गये।

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 49 रुपए बढ़कर सप्ताहांत पर 4,105 रुपए प्रति क्विंटल हो गयी। गेहूं 22 रुपए सस्ता हुआ और 2,838 रुपए प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव भी 12 रुपए घटकर 3,310 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सप्ताह के दौरान चना दाल की औसत कीमत 106 रुपए और मसूर दाल की 78 रुपए बढ़ गयी। तुअर दाल 17 रुपए और मूंग दाल 14 रुपए मजबूत हुई। उड़द दाल 49 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हुई। बीते सप्ताह सरसों तेल का औसत भाव 218 रुपए और सोया तेल का 111 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गया। मूंगफली तेल 85 रुपए और वनस्पति 37 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल 84 रुपए और सूरजमुखी तेल 19 रुपए फिसल गया।

एफपीआई ने अगस्त के पहले तीन सप्ताह में किया 20,802 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश

मुंबई, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय पूंजी बाजार में अगस्त के पहले तीन सप्ताह में अबतक 20,802 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। शुद्ध निवेश एफपीआई द्वारा बाजार में लगायी गयी राशि और बाजार से निकाली गयी राशि का अंतर होता है।

केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, इस वृद्धि के पीछे मुख्य योगदान इक्विटी का रहा।

अगस्त में इक्विटी और म्यूचुअल फंड में एफपीआई का निवेश बढ़ा है जबकि डेट और हाइब्रिड उपकरणों में उनका निवेश कम हुआ है।

इक्विटी में एफपीआई का शुद्ध निवेश तीन सप्ताह में 23,544 करोड़ रुपए रहा। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 50 करोड़ रुपए बढ़ा। इस दौरान, डेट में एफपीआई 226 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की।

हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने 2,566 करोड़ रुपए निकाले। यह लगातार तीसरा महीना है जब एफपीआई भारतीय पूंजी बाजार में शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं। जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपए और जून में 4,669 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। इस साल अबतक एफपीआई ने 1,52,040 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की है।

इसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 2,30,529 करोड़ रुपए निकाले हैं।

डेट और म्यूचुअल फंड में उनका निवेश सकारात्मक रहा है। हाइब्रिड उपकरणों से भी उन्होंने शुद्ध निकासी की है।

खबरें जरा हटके

क्या है लंबी उम्र का राज? 106 साल की महिला ने बताया सीक्रेट, जमकर करो पार्टी और खाओ ये एक चीज !

106 साल जी चुकी एडिथ हिल ने अपनी लंबी उम्र का राज शेयर किया है। एडिथ के मुताबिक उन्होंने जिंदगी में खूब पार्टी की और जमकर चॉकलेट खाई। यही उनकी लंबी और स्वस्थ जिंदगी का सीक्रेट है।

एडिथ हिल ब्रिटेन की रहने वाली हैं और उनका जन्म 1919 में हुआ था। वे आज भी स्वस्थ हैं और अपना जीवन स्वतंत्र रूप से जी रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि इतनी लंबी उम्र कैसे हासिल की तो उनका जवाब बेहद सरल और दिलचस्प था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र रहना, खूब चॉकलेट खाना और जीवन में जश्न मनाने का समय निकालना उनकी आदतें हैं जिन्होंने उन्हें एक सदी से ज्यादा का सफर तय करने में मदद की।

देखी है कई घटनाएं-एडिथ ने इतिहास की कई बड़ी घटनाओं को अपनी आंखों से देखा है। दोनों विश्व युद्ध उनके जीवनकाल में हुए। इतने उतार-चढ़ाव के बावजूद वे मानती हैं कि जीवन का आनंद लेना लंबी उम्र की सबसे बड़ी कुंजी है। उनका यह संदेश सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। लोग कह रहे हैं कि कभी-कभी सबसे अच्छे सबक जटिल दिनचर्या से नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे सुखों से मिलते हैं। एडिथ की सलाह में तीन मुख्य बातें हैं। पहली है स्वतंत्र रहन। वे आज भी अपनी कई जिम्मेदारियां खुद संभालती हैं। निर्भरता कम रखने से मानसिक और शारीरिक सक्रियता बनी रहती है। दूसरी आदत है चॉकलेट का भरपूर सेवन। एडिथ कहती हैं कि उन्होंने जिंदगी भर खूब चॉकलेट खाई है। तीसरी और महत्वपूर्ण बात है पार्टी और जश्न। वे समय निकालकर जीवन के पलों को सेलिब्रेट करती रही हैं। **क्या कहता है विज्ञान?**- वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो खुशी और सकारात्मकता लंबी उम्र से जुड़ी मानी जाती है। तनाव कम रहने से शरीर पर बोझ कम पड़ता है। सामाजिक मेलजोल और उत्सव मनाने से मन हल्का रहता है। चॉकलेट में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो मूड अच्छा करते हैं। हालांकि अत्यधिक सेवन से बचना चाहिए। एडिथ का अनुभव व्यक्तिगत है और उन्होंने इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाया। 1919 में जन्मी एडिथ ने बीसवीं सदी के कई बड़े बदलाव देखे। युद्ध, सामाजिक परिवर्तन और तकनीकी क्रांति सब उनके सामने घटे। इतने लंबे समय तक स्वस्थ रहना आसान नहीं होता। लेकिन उनका जोर हमेशा जीवन का मजा लेने पर रहा।

बादलों के बीच बसा है दुनिया का सबसे दुखी शहर

30000 लोग जी रहे घुट-घुट कर जिंदगी, बिना सैलरी करते हैं काम-दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में एंडीज पर्वतों की खतरनाक ऊंचाइयों पर बसा ला रिनकोनाडा शहर दुनिया का सबसे ऊंचा इंसानी ठिकाना माना जाता है। समुद्र तल से लगभग 5,100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर बादलों के बीच बसा हुआ है। भूमध्य रेखा के करीब होने के बावजूद ज्यादा ऊंचाई के कारण यहां का औसत वार्षिक तापमान केवल 1 l2 डिग्री सेल्सियस रहता है। यहां की रातें हड्डियों को जमा देने वाली ठंड से भरी होती हैं। एक वक्त में केवल सोने की खदान का छोटा सा कैंप रहने वाली यह जगह आज 30,000 से अधिक आबादी का घर बन चुकी है, लेकिन इसे दुनिया का सबसे गरीब, दुखी और जहरीला शहर कहा जाए तो गलत नहीं होगा। इतना ही नहीं, इसे दुनिया का सबसे दुखी शहर भी माना जाता है, जहां लोग तमाम मुश्किल हालातों के बीच बिना सैलरी के काम करते हैं और घुट-घुटकर जीने को मजबूर हैं। बता दें कि ला रिनकोनाडा को कागजों पर शहर जरूर कहा जाता है, लेकिन हकीकत में यहां जिंदगी किसी नर्क से कम नहीं है। इस शहर में न तो पक्की सड़कें हैं, न कोई सीवेज सिस्टम है और न ही पीने के पानी का कोई पाइपलाइन नेटवर्क। लोग टीन की चादरों से बने बिना किसी इंसुलेशन वाले ढहते घरों में रहने को मजबूर हैं। यहां सोने को शुद्ध करने के लिए भारी मात्रा में पारे का उपयोग किया जाता है, जिसकी वजह से यहां की जमीन, हवा, पानी और बर्फ सब जहरीले हो चुके हैं। इस शहर पर न तो किसी सरकार का नियंत्रण है और न ही कोई कानून-व्यवस्था काम करती है। इस शहर की सबसे हैरान करने वाली बात यहां की खदानों में काम करने वाले मजदूरों का शोषण है। खदान कंपनियां अपने मजदूरों को महीने की कोई पक्की सैलरी या वेतन नहीं देती हैं। यहां काचोरियो नाम की एक पुरानी और क्रूर प्रथा चलती है। काचोरियो नाम की इस व्यवस्था के तहत मजदूर 30 दिनों तक बिना किसी पैसे के खदान में काम करते हैं और 31वें दिन उन्हें अपने कंधों पर जितना मलबे और पत्थरों का बोरा उठाकर ले जाने की हिम्मत होती है, उतना ले जाने की अनुमति होती है। पत्थरों के उस बोरे में कितना सोना निकलेगा, यह पूरी तरह किस्मत पर निर्भर करता है। अक्सर मजदूरों को 31वें दिन ऐसी जगह भेज दिया जाता है, जहां पत्थरों में जरा सा भी सोना नहीं होता। इसके बावजूद, सोने की चमक और एक ही दिन में अमीर बनने की लालच में हजारों लोग अपने जीवन और सेहत को दांव पर लगाकर इस जहरीले शहर की ओर खींचे चले आते हैं। साल 2001 से 2009 के बीच ही इस शहर की आबादी दोगुनी से भी ज्यादा हो गई।

कितना बेबस है इंसान...

ममता के संघर्ष में सौतैली मां जीती.....

एक ममतामयी सौतेली माँ ने अपने अनाथ बेटे को अपनाने के लिए खुद की खुशियों और समाज की परवाह न करते हुए आजीवन अविवाहित रहने का त्याग किया। उसने हर कदम पर अपनी संतान से बढ़कर उस बच्चे की परवरिश की और साबित किया कि ममता खून के रिश्तों की मोहताज नहीं होती।

कहानी : ममता की असली परिभाषा

एक छोटे से शहर में आलोक नाम का एक सीधा-साधा आदमी रहता था। उसकी पहली पत्नी के निधन के बाद उसका तीन साल का बेटा कबीर बिल्कुल अकेला और गुमसुम हो गया था। आलोक को अपने बेटे की देखभाल की चिंता सताती थी। रिश्तेदारों ने दूसरी शादी की सलाह दी, लेकिन आलोक को डर था कि कोई दूसरी औरत कबीर को सगी माँ जैसा प्यार नहीं दे पाएगी।

नई माँ का आगमन

आलोक ने फैसला किया कि वह ऐसी जीवनसंगिनी ढूंढेगा जो कबीर को अपना सके। शहर की ही एक समझदार और नेकदिल लड़की सुहाषिनी ने यह जिम्मेदारी लेने का साहस किया। सुहाषिनी ने शादी से पहले ही यह प्रण लिया था कि वह कभी अपनी खुद की संतान नहीं लाएगी, ताकि कबीर के हिस्से का प्यार और अधिकार कभी कम न हो।

शादी के बाद सुहाषिनी जब घर आई, तो उसने कबीर को अपनी जान से भी ज्यादा चाहना शुरू किया। उसने कबीर को नहलाना, पढ़ाना, उसके साथ खेलना और उसकी हर जिद को वैसे ही पूरा किया जैसे एक सगी माँ करती है।

समाज की बातें और कबीर की जिद

शुरुआत में कबीर छोटा था, लेकिन पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने उसके मन में यह बात भर दी कि रसौतेली माँ कभी सगी नहीं होती।र धीरे-धीरे कबीर सुहाषिनी से कटने लगा। वह उसे 'माँ' कहने से हिचकिचाता था और जब भी सुहाषिनी उसके लिए कुछ अच्छा बनाती या करती, तो कबीर को लगता कि यह सब दिखाने का नाटक है। सुहाषिनी बहुत रोती, उसका दिल टूट जाता, लेकिन उसने कबीर से दूरी नहीं बनाई। उसने कबीर के मन से वह डर निकालने के लिए और ज्यादा प्यार जताना शुरू कर दिया।

त्याग की पराकाष्ठा-समय बीतता गया। कबीर अब बारह वर्ष का हो गया था। एक रात कबीर को तेज बुखार आ गया। ठंड से उसका शरीर कांप रहा था। शहर में झमाझम बारिश हो रही थी और डॉक्टर का घर दूर था। सुहाषिनी ने बिना एक पल गंवाए कबीर को अपनी गोद में उठाया और छाता लेकर पैदल ही डॉक्टर के पास निकल पड़ी। कीचड़ भरे रास्ते और तेज बारिश में वह खुद भीगती रही, पर कबीर को अपनी साड़ी से लपेटकर सीने से चिपकाए रखा। पूरी रात उसने जागकर कबीर की सेवा की, उसकी ठंडी हथेलियों को अपने हाथों से सहलाया और भगवान से उसकी सलामती की प्रार्थना करती रही।

माँ शब्द का उपहार-सुबह होते-होते कबीर की तबीयत में सुधार आ गया। उसने आँखें खोलीं तो देखा कि सुहाषिनी के पैरों में छाले पड़े हैं, उसके बाल बिखरे हैं और चेहरे पर असीम थकान के बाद भी सुकून की मुस्कान है। कबीर का दिल पसीज गया। उसे अपनी पिछली गलतियों का अहसास हुआ।

कबीर उठकर सुहाषिनी के गले लग गया और पहली बार उसके मुँह से निकला— श्माँ... मुझे माफ कर दो। सुहाषिनी की आँखों से खुशी के आंसू बह निकले। उसने अपनी पूरी जवानी, अपनी इच्छाओं और सपनों का जो त्याग कबीर के लिए किया था, आज उसे उसका पूरा मूल्य मिल गया था। उस दिन समाज की हर सोच हार गई और ममता की जीत हुई।.

मिड डे मिल, फुटपाथी बच्चों को क्यों नहीं...अल्फा की लपट जयपुर पहुंची !

अभागे बच्चे। ना शिक्षा। ना स्वास्थ्य की चिंता। मां-बाप बेबस। गरीबी से घिरे हैं। मगर भिखारी नहीं। फटेहाल दिखते हैं। भौर होते ही रोटी के लिए संघर्ष। रात के वक्त, पेट को चाहिए रोटी।

एंजियो की गाड़ी आई : सांझ का समय। मैडम उतरी। हाई फाई मेकअप। बच्चों के करीब पहुंची। वह बोली : स्कूल चलोगे। खिलौने मिलेंगे। साथ ही टाफी। नये कपड़े मिलेंगे। छोटा सा बैग मिलेगा। मिड डे मील का भोजन मिलेगा। पढोगे-लिखोगे अफसर बनोगे। रहने के लिए सरकारी क्वार्टर मिलेगा। गाड़ी और नौकर चाकर! पहली मुलाकात 1

स्थान : जे एल एन मार्ग। महंगी कारें। पैसे वालों की गाड़ी। सभी व्यस्त । गरीबों को देखने तक की फुर्सत नहीं। गरीब बेहाल। बारिश का मौसम। मुसीबत पर मुसीबत। तेज बोछारों से बचाव का कोई साधन नहीं। बिस्तर गीले। आटा गीला। नंगे -भूखे बच्चे। उनकी दुर्दशा पर दो बूंद आंसू बहायेगा कोई। मंगलिया उम्र दस साल। दो साल पहले तक स्कूल जाता था। कोई सेठ ने मदद की थी। पुण्य कमाने के लिए भेंट दी थी। स्कूल में पढ़ाई के साथ मटर गश्ती। मिड डे मील मिलता था। कभी दलिया। पके हुए चावल, और भी खाने-पीने के आईटम। मगर सवाल ? बच्चे तो फुटपाथ पर भी रहते हैं। मां - बाप को फुर्सत नहीं है। सुबह -सुबह निकल जाते हैं,कोई काम खौजने। पंद्रह अगस्त पर। तिरंगे ही तिरंगे। एक पीस झंडा दस रूपए में। कोई एक नहीं अनेक परिवार इसी धंधे में जुटे हैं। मक्सद रोटी।।।। क्या करें, बच्चों को चाहिए रोटी। स्कूल के लिए वक्त नहीं मिलता और भी अनेक बहाने सुने जा सकते हैं। मगर अच्छी बात। सराहनीय प्रयास। एक समाज सेविका आती है। नंगे-पुंगे बच्चों के बीच बैठकर। फर्श नहीं पूछो तो ही ठीक। सेविका के पास साधन नहीं है। सरकारी योजनाएं। घोषणाएं तो खूब। मगर इस गरीब खाने के लिए कुछ भी नहीं है। शिक्षा विभाग का एक अफसर।।। मिड डे मील सभी बच्चों के लिए नहीं है। स्कूली बच्चों के लिए ही सुविधा है। फिर, सरकार के नियम बड़े सख्त। जरा से लफड़े में,भाई साहब नौकरी जा सकती है।

आज भी जिंदा है नर्क के दानव का श्राप

3.8 करोड़ साल से यहां लिपटे पड़े हैं 4 सांप

सोचिए, करीब 3 ।8 करोड़ साल पहले के चार सांप एक ही जगह दबे रह गए और इतने लंबे वक्त बाद उनके कंकाल वैज्ञानिकों के हाथ लगे। अमेरिका के व्योमिंग में मिले इन दुर्लभ अवशेषों ने सांपों की पुरानी दुनिया को समझने का एक नया रास्ता खोल दिया है। वैज्ञानिकों ने इन अवशेषों की जांच के बाद एक नई प्रजाति Hibernophis breithaupti की पहचान की है। इसके करीब चार लगभग पूरे कंकाल मिले हैं। इनमें से तीन सांप एक साथ, बिल जैसी संरचना में दबे हुए थे, जबकि चौथा सांप उसी चट्टानी परत में थोड़ी अलग जगह से मिला। अब सवाल उठता है कि ये सांप एक साथ वहां पहुंचे कैसे? यही इस खोज को खास बनाता है।

जमीन से निकला करोड़ों साल पुराना राज-ये फॉसिल अमेरिका के Wyoming स्थित White River Formation की चट्टानों से मिले हैं। इनकी उम्र शुरुआती Oligocene काल की बताई गई है, यानी ये 3 करोड़ साल से भी ज्यादा पुराने। भूगर्भीय साक्ष्यों के आधार पर इस क्षेत्र की चट्टानों की न्यूनतम उम्र करीब 32 मिलियन साल आंकी गई है। जीवाश्म जिस बारीक रेतीली मिट्टी वाली चट्टान में मिले, उसके बारे में वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी छोटी बाढ़ के दौरान जमा हुई होगी। मिट्टी, पानी और ज्वालामुखीय राख से जुड़े इस वातावरण ने सांपों के अवशेषों को असाधारण तरीके से सुरक्षित रखने में मदद की।

एक नहीं, तीन सांप एक साथ मिले

इस खोज की सबसे खास बात यह है कि तीन सांप एक ही जगह पर साथ-साथ मिले। वैज्ञानिकों को ये तीनों सांप चट्टान के दो ऐसे हिस्सों में मिले, जो आपस में जुड़े हुए थे। यानी ऐसा लग रहा था जैसे ये किसी एक जगह पर साथ मौजूद थे और फिर उसी दौरान मिट्टी और चट्टान के नीचे दब गए। पहली नजर में चट्टान के ऊपर सिर्फ दो सांपों के कंकाल दिखाई दे रहे थे। लेकिन जब वैज्ञानिकों ने इसका CT स्कैन किया, तो चट्टान के अंदर छिपा तीसरा सांप भी सामने आ गया। वहीं, चौथा सांप इसी इलाके की दूसरी जगह से मिला। मजेदार बात यह है कि इन सांपों का यह अजीब तरीके से एक साथ मिलना नया नहीं था। वैज्ञानिकों की नजर इन पर करीब 40 साल पहले, 1986 में ही पड़ गई थी। उस समय Brent H। Breithaupt और David Duvall ने अनुमान लगाया था कि शायद ये सांप ठंड से बचने के लिए किसी साझा बिल या आश्रय में एक साथ जमा हुए थे। इसे वैज्ञानिक भाषा में हाइबरनेकुलम कहा जाता है। अब नई रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इन कंकालों की हड्डियों और शरीर की बनावट को बारीकी से जांचा। इसके बाद पता चला कि ये पहले से पहचानी गई किसी प्रजाति के सांप नहीं, बल्कि एक नई प्रजाति के सदस्य थे।

Hibernophis breithaupti के UW-11990 नमूने की तस्वीर। इमेज क्रेडिट : Zoological Journal of the Linnean Society **वैज्ञानिकों ने दिया नया नाम**-रिसर्चर्स ने इस प्राचीन सांप को Hibernophis breithaupti नाम दिया है। इसके नाम में 'hibernare' यानी सर्दियों में रहना और ग्रीक शब्द 'ophis' यानी सांप शामिल है। रिसर्च के मुताबिक इसकी खोपड़ी और रीढ़ की हड्डियों की बनावट पहले से पहचाने गए कुछ जीवाश्म सांपों से अलग है। इसी आधार पर इसे एक अलग प्रजाति माना गया है।

क्या ये सांप सच में साथ रहते थे? तीन सांपों का एक साथ और बिल जैसी जगह में मिलना देखकर वैज्ञानिकों को लगता है कि शायद ये ठंड से बचने के लिए किसी साझा ठिकाने में रहते थे। आज भी सांपों की कुछ प्रजातियां ठंड के मौसम में एक साथ बिलों या सुरक्षित जगहों पर जमा होती हैं। लेकिन यहां एक जरूरी बात समझना भी जरूरी है। करोड़ों साल पुराने कंकालों को देखकर यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि ये सांप साथ में हाइबरनेट ही कर रहे थे। हो सकता है कि किसी दूसरी वजह से तीनों एक ही जगह पर पहुंचे हों और बाद में वहीं दब गए हों। इसलिए वैज्ञानिक इसे संभावित communal sheltering behaviour का संकेत मानते हैं, पक्के सबूत के तौर पर नहीं।

आस्था : सावन के आखिरी रविवार को शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

निकली कांवड़ यात्राएं, गूंजे भोलेबाबा के जयकारे

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. सावन मास के आखिरी रविवार को शहर के शिवालय हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठे। अलसुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। कांवड़ियों ने गलता तीर्थ से लाए पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भक्तों ने भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इससे

पहले शनिवार को शहर के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में कांवड़ यात्राएं डीजे, तिरंगे और भगवा ध्वज के साथ गलता तीर्थ पहुंचीं। देर रात तक कांवड़ियों के समूह गलता तीर्थ पहुंचते रहे। कांवड़ यात्राओं के पहुंचने से गलता तीर्थ में सुबह से ही मेले जैसा माहौल रहा। कांवड़ियों ने तीर्थ से पवित्र जल भरकर अपने-अपने क्षेत्र के शिवालयों की ओर प्रस्थान किया। चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर, क्विंस रोड स्थित झाड़खंड महादेव, चमत्कारेश्वर महादेव, जंग्लेश्वर महादेव सहित शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मंदिरों में वेद मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और रुद्राभिषेक किए गए। भक्तों ने भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और प्रसाद अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

शिवालयों में सजी झांकी

सावन के अंतिम रविवार पर मंदिरों में भगवान शिव की आकर्षक झांकियां सजाई गईं। कहीं भोलेनाथ का महाकाल स्वरूप तो कहीं बाबा बर्फानी स्वरूप में शृंगार किया गया। फूलों से सजी विशेष झांकियों ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। शाम तक मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की कतारें लगी रहीं। सावन के अंतिम रविवार पर पूरे शहर में श्रद्धा और धार्मिक उल्लास का माहौल रहा। कांवड़ यात्राओं, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष झांकियों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना की।

न्यूज गैलरी

साड़ी वियर कॉम्पीटिशन की विजेता बनी पल्लवी, गीत भी सुनाए

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. इंडियन ट्रेलब्लेजर की ओर से आयोजित साड़ी वियर कॉम्पीटिशन की विजेता रहीं पल्लवी। पोद्दार बिजनेस स्कूल ऑडिटोरियम में हुई इस प्रतियोगिता सुमन दास प्रथम, बॉबी दत्ता सेकंड और मंजू गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं शिव आराधना और भारतीय परंपरा के रंग में रंगी इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा के साथ अपना आत्मविश्वास भी दर्शाया।
प्रतिभागियों ने साड़ी के पारंपरिक परिधान को आधुनिक अंदाज में मंच पर प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल में रूपल पोद्दार, दीप्ति सैनी और मेघा शर्मा शामिल रहीं। कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा शिव आराधना पर आधारित तांडव नृत्य। इस अवसर पर साकेत माथुर और गायत्री स्वामी ने गीत भी सुनाए। आयोजक नीरज माथुर ने कहा कि इस प्रतियोगिता को विशेष रूप से सावन थीम पर तैयार किया गया था, ताकि फैशन के साथ भारतीय संस्कृति, पारंपरिक परिधान और शिव आराधना को सुंदर मंच प्रदान किया जा सके।

जेकेके में 'सुरों की त्रिवेणी-द ट्रिनिटी ऑफ मेलोडी' 5 सितम्बर को

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. भारतीय फिल्म संगीत के तीन दिग्गज संगीतकारों रवि, मदन मोहन और रविन्द्र जैन की अमर संगीत विरासत को समर्पित संगीतमय कार्यक्रम 'सुरों की त्रिवेणी – द ट्रिनिटी ऑफ मेलोडी' का आयोजन 5 सितंबर को जवाहर कला केंद्र के रंगायन ऑडिटोरियम में किया जायेगा। रोहित कटारिया म्यूजिक एकेडमी एवं कटारिया एंटरटेनमेंट ग्रुप की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में तीनों संगीतकारों की विशिष्ट संगीत शैलियों को एक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा।'सुरों की त्रिवेणी' की परिकल्पना डॉ. आकांक्षा दवे कटारिया और सीए डॉ. रोहित कटारिया ने संयुक्त रूप से की है। कार्यक्रम का निर्देशन चन्द्र कटारिया के मार्गदर्शन में होगा। प्रस्तुति देने वाले कलाकारों में चन्द्र कटारिया, डॉ. आकांक्षा दवे कटारिया, सीए डॉ. रोहित कटारिया और वृंदा कटारिया शामिल हैं। कार्यक्रम की खासियत केवल लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति नहीं, बल्कि उनके पीछे छिपे राग, शास्त्रीयता और संगीत की रचनात्मकता को सामने लाना होगी। रवि की खूबसूरत और यादगार मेलोडीज, मदन मोहन के संगीत की भावनात्मक गहराई और रविन्द्र जैन की शास्त्रीयता एवं भारतीय संगीत परंपरा को गीतों और प्रस्तुतियों के माध्यम से जोड़ा जाएगा।कार्यक्रम में राग आधारित गीतों के साथ चुनिंदा कालजयी रचनाएं और विशेष रूप से तैयार किए गए मेडले प्रस्तुत होंगे। आठ संगीतकारों का लाइव बैंड इन प्रस्तुतियों को मंच पर जीवंत करेगा।

स्कूल ही नहीं शिक्षा व्यवस्था की मर्यादाएं भी ढही : गुर्जर

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. कांग्रेस के पूर्व विधायक और जिलाध्यक्ष इन्द्राज सिंह गुर्जर ने सरकारी विद्यालय के प्रिंसीपल का लड़कियों के साथ बांध में नहाने का वीडियो वायरल होने पर कहा है कि प्रदेश में हालात ऐसे हो गए हैं कि स्कूलों के भवन ही जर्जर नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की मर्यादाएं भी ढहती नजर आ रही हैं। ऐसी घटनाओं से पूरा शिक्षा तंत्र बदनाम होता है और सबसे बड़ा सवाल प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा और सम्मान का है। गुर्जर ने कहा कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की केवल बयानबाजी से व्यवस्था में सुधार नहीं आता है। यदि आपके विभाग में ही बेटियों के साथ ऐसी शर्मनाक घटनाएं हो रही हैं, तो जिम्मेदारी तय करने और व्यवस्था सुधारने के लिए ठोस कदम कब उठाए जाएंगे। गुर्जर ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में पिछले करीब ढाई साल से मैं लगातार यह बोलता आ रहा हूं कि सरकारी कार्यालयों में आम जनता को किस तरह परेशान किया जा रहा है और अधिकारियों ने भ्रष्टाचार का तांडव मचा रखा है। जिसका नमूना विराटनगर तहसीलदार संजीव खेदड़ का एसीबी द्वारा ट्रेप होने के रूप में सामने आ चुका है। विराटनगर तहसील में रजिस्ट्री के लिए एक परिवादी को करीब एक महीने तक चक्कर लगवाए गए और 1 लाख की रिश्वत की मांग किए जाने का आरोप सामने आया। एसीबी ने कार्रवाई करते हुए तहसीलदार समेत तीन लोगों को 55 हजार की कथित रिश्वत लेते ट्रैप किया। परिवादी ने पहले शिकायत की, जिसके बाद एसीबी ने सत्यापन किया और कार्रवाई को अंजाम दिया। गुर्जर ने कहा कि विराटनगर में जिम्मेदार अधिकारियों ने भ्रष्टाचार का ऐसा तंत्र बना रखा है, जिसमें आम आदमी अपने जायज काम के लिए भी कार्यालयों के चक्कर काटने और रिश्वत देने को मजबूर हो रहा है।अब क्या सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि इस पूरे मामले पर जवाब देंगे।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की शीला जैन पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। श्री दिगम्बर जैन महासमिति के वर्ष 2026-2029 के राष्ट्रीय चुनाव हस्तिनापुर में संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया के तहत 20 अगस्त गुरुवार को आर.सी. जैन (आर्किटेक्ट) को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। इसके बाद 22 अगस्त शनिवार को भारत के सभी प्रांतों के सदस्यों की उपस्थिति में चुनाव अधिकारी जीवेन्द्र जैन, गाजियाबाद द्वारा विधिवत नए अध्यक्ष की घोषणा की गई। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा होते ही पूरे सदन में खुशी का माहौल छा गया। सभी प्रांतों से आए सदस्यों ने माला, शॉल एवं दुपट्टा पहनाकर नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.सी. जैन (आर्किटेक्ट) का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रादेशिक पदाधिकारियों ने भी स्वागत करते हुए तन, मन और धन से संगठन के साथ मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया। नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.सी. जैन (आर्किटेक्ट) ने सदन के समक्ष सुशील जैन, मोदी नगर को श्री दिगम्बर जैन महासमिति का चेयरमैन तथा सुनील पंढारी को कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा की। साथ ही व्रती श्राविका शीला डोड्या, जयपुर को श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा की गई। डॉ. वंदना जैन ने बताया कि चुनाव एवं मनोनयन की प्रक्रिया के बाद उपस्थित सदस्यों ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान किया और उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान संगठन के सभी प्रांतों से आए सदस्यों में उत्साह और खुशी का माहौल दिखाई दिया।

दून एकेडमी के बच्चों की 900 कलाकृतियों ने बिखेरा हुनर

जयपुर, समाचार जगत ब्यूरो। दून एकेडमी स्कूल की अग्रवाल फॉर्म, रजत पथ और पटेल नगर स्थित तीनों शाखाओं में सात दिवसीय कला एवं शिल्प कार्यशाला के समापन पर जवाहर कला केंद्र स्थित सुकृति कला दीर्घा में दो दिवसीय प्रदर्शनी 'नन्हीं रचनाएं' का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में 1 से 16 वर्ष तक के करीब 700 बच्चों द्वारा तैयार 900 कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनी का उद्घाटन पीयूष सोनकर, प्रधान आयकर आयुक्त जयपुर ने किया। प्रदर्शनी में अनुपयोगी और पुराने घरेलू सामान से बनाई गई कलाकृतियों को भी शामिल किया। बच्चों ने 'ताजमहल' और 'प्रेम मंदिर' के मॉडल के साथ पेंसिल चित्रांकन में भगवान कृष्ण और घोड़े के चित्र बनाए। अखबार और जूट से बनी पर्यावरण अनुकूल कलाकृतियों की भी सराहना हुई। एकेडमी की प्राचार्य डॉ. अर्चना कुमारी ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं बच्चों का मनोबल बढ़ाने और उनकी रुचि के अनुरूप भविष्य बनाने में सहायक हैं।

ओबीसी कांग्रेस संवाद कार्यक्रम में संगठन मजबूती पर चर्चा

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव ने एआईसीसी मुख्यालय में आयोजित ओबीसी कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के साथ संवाद कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिंद सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।
यादव ने बताया कि कार्यक्रम में ओबीसी समाज के अधिकारों, सामाजिक न्याय, संगठन की मजबूती तथा जमीनी स्तर तक कांग्रेस की विचारधारा को सशक्त बनाने को लेकर महत्वपूर्ण संवाद एवं विचार-विमर्श हुआ। इसमें "जितनी आबादी, उतना हक" के संकल्प के साथ सामाजिक न्याय की आवाज़ को और मजबूत करने का संकल्प लिया गया। यादव ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस ओबीसी विभाग ओबीसी की सभी छोटी बड़ी जातियों को एकजुट कर अपने अधिकारों के लिए लड़ने का तैयार कर रहा है।

बिजली फॉल्ट ....(शेष 1 का शेष)

जिसके चलते पुलिस करीब दो घंटे तक मौके पर तैनात रही और लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कर्मचारियों के साथ पथराव और धक्का-मुक्की करने वाले आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है।

यमुना बाढ़ क्षेत्र ....(शेष 1 का शेष)

संस्था की छवि को नुकसान पहुंचाना था। वर्ष 2016 में आयोजित वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल एक महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन था, जिसमें 155 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। आयोजन में जमीन पर 35 लाख लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई थी। इस आयोजन की अध्यक्षता भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर.सी. लाहोटी ने की थी। संयुक्त राष्ट्र के छठे महासचिव रहे दिवंगत डॉ. बुतरस बुतरस-घाली भी इस आयोजन की सह-अध्यक्षता करने वाले थे, लेकिन आयोजन से एक माह पहले उनके निधन के कारण ऐसा नहीं हो सका। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 'द आर्ट ऑफ लिविंग' के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले संगठन पर कुछ निहित स्वार्थों द्वारा लगाए गए झूठे आरोपों की वास्तविकता अब सामने आ गई है।

केरल की ....(शेष 1 का शेष)

इसमें देशभर से 52 फाइनलिस्ट ने अपने टैलेंट, खूबसूरती और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। खिताब जीतने के बाद केजिया ने कहा कि यह खिताब मेरे लिए केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। भारत का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय मंच पर करना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। मैं इस अवसर के माध्यम से भारत की विविधता, संस्कृति, प्रतिभा और नई पीढ़ी की शक्ति को दुनिया के सामने पेश करूंगी।

सीएम भजनलाल ....(शेष 1 का शेष)

व्यक्तित्व बताया। शहीद राजगुरु की जयंती पर मुख्यमंत्री ने उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अमर सेनानी और अद्वितीय साहस व राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए राजगुरु का अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कर्तव्यपथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। वहीं, रघुवीर सिंह कौशल की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने उनके सार्वजनिक जीवन में योगदान, संगठन के प्रति निष्ठा और सरल व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने कहा कि उनका जीवन सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

37वां राष्ट्रीय युवा संगीत सम्मेलन 1 व 2 अक्टूबर को

युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की जरूरत : पीनाज मसानी

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. प्रसिद्ध गजल गायिका पीनाज मसानी का मानना है कि देश में युवा प्रतिभाओं की कमी नहीं है, बस जरूरत है उन्हें प्रोत्साहित करने और उचित मंच देने की। पीनाज रविवार को जयपुर में 1व 2 अक्टूबर को स्वर्गीय केसी मालू की स्मृति में होने वाले सुर संगम संस्थान के 37वें युवा संगीत सम्मेलन के पोस्टर विमोचन के

अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल प्लेटफॉर्म के दौर में वास्तविक प्रतिभा को पहचानना चुनौतीपूर्ण हो गया है, ऐसे में सुर संगम संस्थान जैसा मंच प्रतिभाओं की तलाश और उन्हें निखारने में वर्षों से आगे रहा है।

विदाई समारोह 'उड़ान' का आयोजन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. इंटरनेशनल स्कूल ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स एंड मैनेजमेंट, जयपुर में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह 'उड़ान' भावनाओं, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। वर्षों की शैक्षणिक यात्रा पूरी कर नई संभावनाओं की ओर कदम बढ़ा रहे विद्यार्थियों के लिए यह समारोह उपलब्धियों का उत्सव होने के साथ-साथ मित्रता, गुरु-शिष्य संबंधों और साथ बिताए अनगिनत पलों को संजोने का अवसर भी बना। संस्थान की प्राचार्या मंजू नायर ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक योगदान की सराहना

की। समारोह में विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत एवं अन्य रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।
प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया तथा विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास से सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर एमबीए आरटीयू वर्ग में हर्ष को मिस्टर फेयरवेल तथा हर्षिता को मिस फेयरवेल चुना गया। वहीं एमबीए आईआईएसयू में आधार पार्थ को मिस्टर फेयरवेल एवं दिव्यांशी को मिस फेयरवेल का सम्मान मिला। बीबीए आईआईएसयू वर्ग में अजय कुमार को मिस्टर फेयरवेल चुना गया, जबकि बीसीए आईआईएसयू वर्ग में सत्यवर्धन को मिस्टर फेयरवेल तथा अदिति शर्मा को मिस फेयरवेल चुना गया।

स्किन क्लिनिक शुरू, त्वचा, बाल और एस्थेटिक इलाज एक ही छत के नीचे

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. जयपुर में त्वचा, बाल, एस्थेटिक एवं कॉस्मेटिक उपचार के लिए रिक्लेम स्किन क्लिनिक की शुरुआत की गई है। क्लिनिक का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक उपचार पद्धतियों के माध्यम से मरीजों को त्वचा एवं बालों से जुड़ी समस्याओं के लिए व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराना है। क्लिनिक का नेतृत्व डॉ. आयुष जैन, कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट कर रहे हैं। उन्होंने एमबीबीएस और एमडी डर्मोटालिजिस्ट एवं की पढ़ाई एम्स नई दिल्ली से की है। एमडी डर्मोटालिजिस्ट में गोल्ड मेडलिस्ट रहे हैं। डॉ. आयुष जैन ने बताया कि किसी भी लेजर, पील, बोटॉक्स, फिलर अथवा अन्य एस्थेटिक प्रक्रिया की सलाह देने से पहले मरीज की समस्या, उसके कारण, त्वचा एवं बालों की स्थिति, चेहरे की संरचना तथा वास्तविक आवश्यकता का विस्तृत आकलन किया जाएगा। प्रक्रियाएं और हेयर रेस्टोरेशन सहित विभिन्न एस्थेटिक एवं कॉस्मेटिक शामिल हैं।

श्री रामेश्वरम् संगीत समारोह कल

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित अतिप्राचीन दाहिनी सूंड दक्षिणमुखी श्री नहर के गणेशजी महाराज मंदिर में पूर्व महंतों की स्मृति एवं ब्रह्मलीन महंत पं. रामेश्वर लाल शर्मा की पुण्यस्मृति में मंगलवार को 'श्री रामेश्वरम् संगीत समारोह' आयोजित किया जाएगा। मंदिर महंत पं. जय शर्मा एवं युवाचार्य पं. मानव शर्मा के सानिध्य में होने वाले समारोह में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्रदेश के ख्यातनाम कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। समारोह की शुरुआत सुबह 8 बजे मंदिर परिवार की ओर से गणपतिजी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से होगी। इसके बाद ब्राह्मण विद्वानों की ओर से रुद्र पाठ एवं श्री गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ किया जाएगा। सुबह 10 बजे से मंदिर परिसर में वृक्षारोपण एवं वृक्ष वितरण कार्यक्रम होगा। इसके बाद शाम 6 बजे से भजन संध्या के साथ 'श्री रामेश्वरम् संगीत समारोह' का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला 'संगीतोपासक सम्मान' इस बार प्रदेश के मूर्धन्य गायक कलाकार सांवरमल कथक को प्रदान किया जाएगा। सम्मान के तहत उन्हें पचरंगी साफा, शॉल, गणपतिजी का चित्र, श्रीफल, चांदी का सिक्का, म्यूजिक सिस्टम एवं सम्मान-पत्र भेंट किया जाएगा। समारोह में प्रदेश के सुप्रसिद्ध कलाकार गोपालसिंह राठौड़, पारिक बंधुगण, खुशी-भावना कथक, बनारसीदास, बुंदु खां, आकांक्षा राव, सुरभि चतुर्वेदी, सरस्वती, हेमराज, वाहिद और राजन खींची सहित अन्य कलाकार गायन की प्रस्तुतियां देंगे। वाद्य संगत में अम्बालाल सेक्सोफोन, संजीव शर्मा वायलिन, परमेश्वर कथक, दिनेश खींची, दिलशाद खान, सद्दाम और श्याम जी तबले पर संगत करेंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन आर.डी. अग्रवाल, राजेश आचार्य एवं के.के. कोहली करेंगे।

चतुर्थ पुण्यतिथि

स्व. डॉ. गिरेन्द्र पाल
(संस्थापक होम्योपैथी युनिवर्सिटी, जयपुर)
पिता जीवन है, संबल है, शक्ति है, पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है। पिता की कमी को कोई बांट नहीं सकता और ईश्वर भी इनके आशीषों को काट नहीं सकता।
आपका आशीर्वाद एवं स्नेह सदैव बना रहें
सादर श्रद्धांजलि व शत शत नमन

श्रद्धानवत
डॉ. गिरीश पाल-नीतू पाल (पुत्र-पुत्रवधू)
डॉ. शीना पाल-रविन्द्र सिंह शेखावत (पौत्री-दामाद)
डॉ. दिविशा पाल (पौत्री), गौरांगिनी शेखावत (पड़दोहिति)

पाल होम्योपैथिक क्लिनिक 9950830001
इंडियन कॉफी हाउस एम.आई. रोड एवं टैगौर नगर, अजमेर रोड, डॉ. गिरीश पाल

अजय ने 'दृश्यम 3' के शीर्षक का किया एलान, नए पोस्टर के साथ सामने आई फिल्म की रिलीज डेट

अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम' और 'दृश्यम 2' ब्लॉकबस्टर रही है। दोनों ही पार्ट को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। एक मर्डर के पीछे खड़ी इस मूवी का अब तीसरा पार्ट आने वाला है। एक्टर ने 'दृश्यम 3' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आज सुबह मेकर्स ने फिल्म की रिलीज की जानकारी दी है, जिसे जानने के बाद आपके चेहरे पर एक बार जरूर मुस्कान आएगी और फिल्म की कहानी भी आंखों के सामने घूमने लगेगी। फिल्म 'दृश्यम 3' की रिलीज का ऐलान करते हुए एक वीडियो जारी किया गया है, जिसमें अजय देवगन का किरदार कहता है, 'दुनिया मुझे कई नाम से बुलाती है। लेकिन मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि पिछले 7 सालों में जो कुछ हुआ, जो कुछ किया, जो कुछ देखा, जो कुछ दिखाया, उससे मुझे एक बात समझ में आ गई है। इस दुनिया में हर किसी का सच अलग है, हर किसी का सही अलग है। मेरा सच, मेरा सही सिर्फ मेरी फैमिली है। जब तक सब थक नहीं जाते, जब तक सब हार नहीं जाते, मैं यहीं खड़ा हूं, चौकीदार बनकर, पहरेदार बनकर, एक दीवार बनकर, क्योंकि कहानी अभी तक खत्म नहीं हुई है। आखिरी हिस्सा अभी बाकी है।'

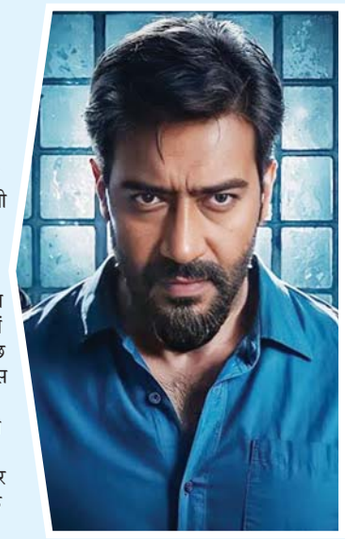

'दृश्यम 3' की रिलीज डेट

फिल्म के इस अनाउंसमेंट वीडियो के अंत में रिलीज डेट 2 अक्टूबर 2026 बताई गई है। मूवी को अभिषेक पाठक ने डायरेक्ट किया है। बताया जा रहा है कि ये फिल्म 'मलयालम' की 'दृश्यम 3' से अलग होगी, जो हिंदी में भी रिलीज की जाएगी। अजय देवगन स्टारर मूवी के दूसरे पार्ट ने दुनियाभर में 345 करोड़ रुपये कमाए थे। अब तीसरे पार्ट पर सबकी नजर टिकी हुई है, जिसमें अजय के अलावा, तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता नजर आएंगे। इसकी कहानी अभिषेक पाठक, आमिल कीयान खान और परवेज शेख ने लिखी है। फिल्म को प्रोड्यूस आलोक जैन, अजीत अंधारे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने किया है।

घुटने की सर्जरी के बाद कार्तिक आर्यन ने की पहली पोस्ट, अस्पताल से शेयर की तस्वीर

घुटने की सफल सर्जरी होने के बाद कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर पहली पोस्ट शेयर की है। उन्हें कबीर खान के निर्देशन में बन रही एक फिल्म की शूटिंग के दौरान चोट लगी थी। पोस्ट में अभिनेता ने फैंस को अस्पताल में बिताए समय, अपनी चोट और ठीक होने के सफर की झलक दिखाई है। कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए।

एक तस्वीर में उन्हें घुटने के ब्रेस में बंधी अपनी चोटिल टांग के साथ देखा जा सकता है। दूसरी तस्वीर में मजाकिया मैसेज था 'पैर काम नहीं कर रहा'। एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर में एक्टर अस्पताल के बिस्तर पर बैठे दिखे। बाएं हाथ में कैनुला लगा हुआ था। पोस्ट में कार्तिक के दौड़ने और फिल्म के लिए जबरदस्त ट्रेनिंग करने के पुराने पल भी दिखाए गए।

कबीर ने दिया रिएक्शन

पोस्ट के कैप्शन में कार्तिक आर्यन ने लिखा 'कबीर सर ने कहा, पैर तोड़ दो।' इस पोस्ट पर कबीर खान ने कमेंट करते हुए लिखा 'हर बात को इतने गौर से मत सुना करो।' 22 अगस्त को खबर आई कि कार्तिक आर्यन के घुटने की सर्जरी पूरी तरह से सफल रही। वह इलाज के बाद अपने घर भी आ गए। कार्तिक आर्यन के प्रवक्ता के मुताबिक अभिनेता अभी ठीक हो रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। अभिनेता के प्रवक्ता ने कहा, 'कार्तिक आर्यन को अपनी फिल्म के सेट पर एक्शन सीन करते समय घुटने में चोट लग गई थी। उनकी सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई और अब वह घर वापस आ गए हैं। आराम कर रहे हैं और ठीक हो रहे हैं। वह जल्द ही सेट पर वापस आएंगे।'

कौन हैं लिज मैजो ?
जीता मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब

दुनिया के सबसे बड़े पेजेंट में कर चुकीं भारत का प्रतिनिधित्व

कौन हैं लिज मैजो ?

19 साल की केरल की कैजिया लिज मैजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का खिताब हासिल किया है। वह लॉ की छात्रा, मॉडल और क्लासिकल डांसर हैं। लिज मैजो ने साल 2026 में ही 'मिस यूनिवर्स केरल 2026' का खिताब अपने नाम किया था। यह खिताब जीतने वाली वह केरल की सबसे उम्र की लड़की थीं।

बीती रात को मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 के विजेता को लेकर काफी गहमागहमी रही। रात करीब 2.50 बजे केरल की कैजिया लिज मैजो मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की विजेता बनीं। मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 प्रतियोगिता में 53 सुंदरियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखी। टॉप-5 फाइलिस्ट में वैष्णवी, तेजस्विनी श्रीवास्तव, लिज मैजो, अनुश्री सतवालेकर और अनुभा वशिष्ठ शामिल रहीं। इस खबर में हम आपको बता रहे हैं कि विजेता लिज मैजो हैं। लिज, मेजो अब्राहम और सुजा मेजो की बेटी हैं। वह बेंगलुरु में लॉ की पढ़ाई कर रही हैं और फिलहाल कोच्चि में रहती हैं। लिज ने पहले 'मिस टीन इंडिया' का भी खिताब जीता था। इसके बाद वह दुनिया के सबसे बड़े टीन ब्यूटी पेजेंट में से एक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की विजेता का एलान रात करीब 2.50 बजे किया गया। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की विजेता मनिका विश्वकर्मा ने केरल की विजेता को क्राउन पहनाया।

कृति के रक्षा बंधन ऐड पर हंगामा

भन्नाए लोग- भाई के सामने ऐसे कपड़े ? कुत्ते को राखी ?

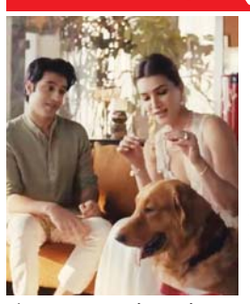

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन का एक रक्षा बंधन विज्ञापन देख सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया है। मामला एक ज्वेलरी ब्रांड के ऐड से जुड़ा है। इंटरनेट यूजर्स भाई-बहन के त्योहार में एक्ट्रेस के कपड़ों और उनके अंदाज पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों ने नोटिस किया कि विज्ञापन में राखी का त्योहार मना रहीं एक्ट्रेस के पास पूजा की थाल भी नहीं है। जबकि वह सफेद ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज और ड्रेप्ड स्कर्ट में नजर आ रही हैं। लोगों का गुस्सा इस बात पर फूटा है कि आखिर भाई के सामने कौन सी बहन ऐसे कपड़ों में नजर आती है। विज्ञापन के सामने आने के बाद जहां कुछ लोगों ने कृति के लुक और कैंपेन की क्रिएटिव अप्रोच पर ध्यान दिया, वहीं कई यूजर्स ने आउटफिट और रक्षाबंधन के पारंपरिक तरीके को लेकर सवाल उठाए। कैंपेन में एक पालतू कुत्ते को भी परिवार के सदस्य के तौर पर दिखाया गया है, जिसे कृति राखी बांधती नजर आती हैं। ज्वेलरी ब्रांड के इस कैंपेन में कृति सेनन को रक्षा बंधन सेलिब्रेट करते हुए दिखाया गया है। उनके लुक में ऑफ-व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज के साथ केप और ड्रेप्ड स्कर्ट शामिल है। विज्ञापन का उद्देश्य त्योहार को अलग अंदाज में पेश करना नजर आता है, लेकिन इसी वजह से सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चा भी शुरू हो गई। कई यूजर्स ने कृति के आउटफिट को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। कुछ लोगों ने सवाल किया कि रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक त्योहार के विज्ञापन में इस तरह के आउटफिट को क्यों चुना गया। वहीं कुछ यूजर्स ने कैंपेन के पूरे कॉन्सेप्ट को लेकर भी अपनी असहमति जाहिर की।

आदित्य और अनुष्का रंजन के घर IVF से आईं जुड़वा बेटियां

खुशखबरी देते हुए बताया दोनों का प्यारा नाम

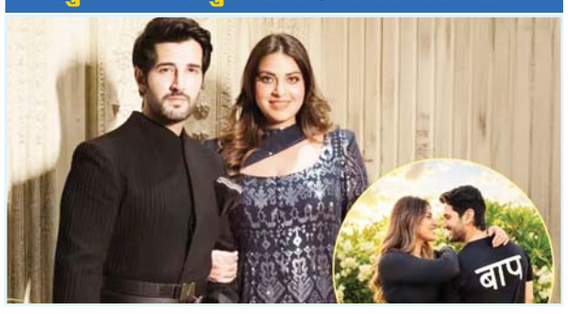

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य सील और अनुष्का रंजन के घर खुशियों ने दस्तक दी हैं। दोनों जुड़वां बेटियों के माता-पिता बन गए हैं। कपल ने सोशल मीडिया पर ये खुशखबरी अपने फैंस के साथ शेयर की। उन्होंने बताया कि उनकी बेटियों का जन्म 23 अगस्त को हुआ है। आदित्य और अनुष्का ने अपनी बेटियों के नाम भी रिवील कर दिए हैं। उन्होंने अपनी बेटियों का नाम वीरा रंजन सील और माही रंजन सील रखा है। कपल ने बेटियों के जन्म पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा कि उनकी जिंदगी प्यार और आभार से भर गई है। दोनों ने अपनी बेटियों के आने को अपनी जिंदगी का बेहद खास अध्याय बताया। 38 साल के आदित्य सील और 35 साल की अनुष्का रंजन ने करीब चार साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 21 नवंबर 2021 को मुंबई में शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात 2017 में अनुष्का की मां द्वारा आयोजित एक चैरिटी फैशन शो में हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। अक्तूबर 2019 में आदित्य ने पेरिस में छुट्टियों के दौरान अनुष्का को प्रपोज किया था। नवंबर 2021 में दोनों ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की।

अभिनेत्री शेली फैबारेस का 82 की उम्र में निधन

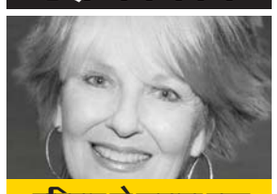

परिवार ने जताया दुख

अभिनेत्री और गायिका शेली फैबारेस का 82 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके परिवार ने उनके निधन की पुष्टि की है। वह कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। उनके परिवार ने मीडिया को बताया कि शनिवार को लॉस एंजिल्स में उनका निधन हो गया। मौत की वजह नहीं बताई गई। गम में डूबा परिवार 'द डोना रीड शो' और 'वन डे एट ए टाइम' जैसे प्रोजेक्ट से अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री शेली के परिवार ने लिखा 'अपने परिवार और दोस्तों के लिए, शेली प्यार, हिम्मत, हंसी और सुकून का जरिया थीं। उनमें लोगों को अपनापन, अहमियत और परवाह का एहसास कराने की अद्भुत काबिलियत थी।' फैबारेस का जन्म 1944 में सांता मोनिका, कैलिफोर्निया में हुआ था। उन्होंने बचपन में ही एक्टिंग शुरू कर दी थी।

शाहिद की 'देवा' के एक्टर रोहुल्लाह मेहदी ड्रग्स केस में गिरफ्तार

मुंबई के मीरा रोड इलाके में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कथित तौर पर ड्रग्स का नेटवर्क चलाने के मामले में एक्टर और मॉडल रोहुल्लाह मेहदी को काशिमीरा पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। NDTV की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने करीब 5.60 लाख रुपये कीमत की 28 ग्राम MD ड्रग्स जब्त की और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। FIR नंबर 437/2026 के अनुसार, रोहुल्लाह मेहदी को मुख्य आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि स्नैपचैट और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए कथित तौर पर MD ड्रग्स बेची जा रही थी। सूचना मिलने पर, पुलिस ने एक नकली ग्राहक का इस्तेमाल करके जाल बिछाया। कासिफ नाम के एक व्यक्ति को कथित तौर पर दहिसर चेक नाका इलाके में ठाकुर मॉल के पास 28 ग्राम MD पहुंचाने के लिए बुलाया गया। पुलिस ने ड्रग्स के कथित लेन-देन के दौरान कासिफ को पकड़ा और उससे पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, बाद में जांच के दौरान उसने रोहुल्लाह मेहदी का नाम बताया। इस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने मलाड में एक स्टूडियो के बाहर मेहदी को गिरफ्तार किया, जहां वह उस समय शूटिंग कर रहे थे। अब जांच का फोकस कथित ड्रग नेटवर्क का पता लगाने और यह जानने पर है कि रोहुल्लाह मेहदी ने किन लोगों को ड्रग्स सप्लाई किए होंगे। पुलिस यह भी जांच कर रही है। कि क्या फिल्म इंडस्ट्री के किसी और व्यक्ति का इस मामले से कोई संबंध है।

'मैंने कभी धर्म बदलने को नहीं कहा', असिम का हिमांशी के दावों पर पलटवार

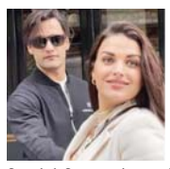

असिम और हिमांशी जहां 'बिग बॉस 13' और उसके बाद सबसे चहेते कपल थे, वहीं अब दोनों ने अपने रिश्ते की इस कदर छीछालेदर की है कि हर फैन का दिल दुखी है। बीते दिनों हिमांशी ने दावा किया था कि उन पर 'धर्म परिवर्तन' का दबाव बनाया गया था, यही ब्रेकअप का प्रमुख कारण था। अब आसिम रियाज ने एक लंबे-चौड़ पोस्ट में पलटवार किया है। आसिम ने कहा कि उन्होंने कभी धर्म बदलने की बात नहीं की। साथ ही यह भी कि हिमांशी के ये दावे दिखाते हैं कि वह अटेंशन पाने के लिए किस हद तक गिर सकती हैं। असिम रियाज ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए अपने पोस्ट में पारस छाबड़ा पर भी निशाना साधा है। हिमांशी ने ये दावे पारस के शो में ही किए थे। आसिम ने पारस को 'सुअर जैसे पेट वाला आदमी' कहा है, वहीं हिमांशी खुराना का नाम नहीं बिना कहा कि उनसे मिलने से वह कैसी थीं, ये सब जानते हैं। असिम का दावा है कि उनसे मुलाकात के बाद ही हिमांशी ने फिटनस पर ध्यान दिया।

दिल्ली की लड़की का रेस्टोरेंट से रेड कार्पेट और बॉलीवुड तक सफर

ऋतिक से लेकर रणवीर की बनीं हीरोइन

एक मिडिल क्लास परिवार से आकर बॉलीवुड तक का सफर तय करना और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में नाम बनाना आसान नहीं है, लेकिन वाणी कपूर ने ऐसा कर दिखाया है। हालांकि, बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक वाणी कपूर के लिए यह रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं था। इस सफर में वाणी को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। अभिनेत्री ने बीते दिन ही अपना जन्मदिन मनाया हैं। वाणी ने अपनी पढ़ाई-लिखाई दिल्ली से ही पूरी की है। उन्होंने दिल्ली के इग्नू विश्वविद्यालय से टूरिज्म में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। पढ़ाई के दौरान ही अभिनेत्री ने होटल मैनेजमेंट की ओर रुख किया और जयपुर के एक होटल में इंटर्नशिप करने लगीं। इसके बाद उन्होंने एक अन्य होटल में भी कुछ समय के लिए काम किया। होटल में काम करने के दौरान उनकी जान-पहचान एक मॉडलिंग एजेंसी से हुई। उनकी लंबी हाइट और आकर्षक व्यक्तित्व को देखकर एजेंसी ने उन्हें मॉडलिंग के लिए साइन किया। अभिनेत्री के जीवन में यह एक ऐसा टर्निंग पॉइंट रहा, जहां उनके करियर ने रेस्टोरेंट से रेड कार्पेट की ओर रुख किया। शुरुआत में उन्होंने कई बड़े फैशन डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक करने के साथ विज्ञापनों में भी काम किया। इन कामों से उनका चेहरा पहचान में आने लगा और फिर उन्होंने वर्ष 2013 में यशराज फिल्म्स की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। अपनी पहली फिल्म में कमाल के प्रदर्शन के बलबूते अभिनेत्री ने बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार हासिल किया। डेब्यू फिल्म के बाद उन्होंने ऋतिक रोशन, अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, रणबीर कपूर से लेकर इंडस्ट्री के कई प्रमुख कलाकारों के साथ काम किया।

करीना ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर दिया रिएक्शन

करीना कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अटकलों के कारण सुर्खियों में हैं। बेबो ने इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रेग्नेंसी की इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया साझा की, जिसे पढ़कर आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। करीना ने स्टोरीज सेक्शन में एक मजेदार इंस्टाग्राम पोस्ट को दोबारा शेयर किया, जिसमें एक आदमी अपने फूले हुए पेट के साथ पोज देता नजर आ रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हट ना बे'। करीना ने अपने अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते

हुए हंसने वाले और पिज्जा वाले इमोजी भी जोड़े। उन्होंने फिल्म 'हम आपके हैं कौन' का गाना 'चॉकलेट लाइम जूस' भी जोड़ा, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका निकला हुआ पेट खाने के प्रति उनके प्रेम का ही परिणाम है। करीना से पहले उनकी ननद और सैफ की बहन सबा पटौदी ने अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की अफवाहों को खारिज करते हुए दावा किया था कि विवादित तस्वीर, जिसमें बेबो को फूले हुए पेट के साथ देखा जा सकता है, एक खराब कैमरा एंगल का परिणाम थी। बता दें कि न्यूयॉर्क में छुट्टियां मनाते समय करीना कपूर के पति सैफ अली खान के साथ उनके तीसरे बच्चे की उम्मीद की अटकलें भी सामने आई थीं। उस समय करीना कपूर की एक इंस्टाग्राम स्टोरी को गलत समझा

गया था। हालांकि, 'के3जी' अभिनेत्री ने बाद में इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा था कि यह सब बस पिज्जा और वाइन का खेल था।

अनुपम खेर ने यश को बताया असाधारण प्रतिभा वाला कलाकार

अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में कन्नड़ सुपरस्टार यश से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर यश के साथ तस्वीर शेयर कीं और उनके अभिनय सफर की जमकर तारीफ की। खास तौर पर उन्होंने यश के 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी में निभाए गए रॉकी के किरदार को याद किया और बताया कि इस दमदार किरदार के पीछे उन्हें एक समझदार इंसान नजर आए। अनुपम खेर ने यश से मुलाकात को बेहद खास बताया, साथ ही उन्हें असाधारण प्रतिभा वाला कलाकार कहा। उन्होंने कहा, "मैं लंबे समय से यश के सफर को करीब से देखता और पसंद करता आया हूं। खासकर 'केजीएफः चैप्टर 1' और 'केजीएफः चैप्टर 2' में रॉकी के किरदार को जिस तरह यश ने पर्दे पर पेश किया, उससे मैं काफी प्रभावित हूं।" अनुपम खेर ने आगे कहा, "यश ने सिर्फ रॉकी का किरदार निभाया नहीं था, बल्कि उसमें अपनी जान डाल दी थी। उन्होंने रॉकी को एक अलग आत्मा, अपना अंदाज और ऐसी पहचान दी, जिसे भारतीय सिनेमा में लंबे समय तक याद किया जाएगा।

सीईसी ज्ञानेश कुमार लखनऊ पहुंचे

यूपी में समय से पहले होंगे चुनाव!

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। यूपी में समय से पहले चुनाव की चर्चा के बीच चुनावी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार लखनऊ पहुंच गए हैं। उनके साथ निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधिमंडल भी लखनऊ पहुंचा है। यह दल दो दिनों तक लखनऊ में रहेगा। इस दौरान ज्ञानेश कुमार 20 जिलों के अधिकारियों के साथ ही स्कूली छात्रों, प्रिंसिपलों से संवाद करेंगे। वह 120 विधानसभा सीटों के बूथ लेवल अधिकारियों से मतदाता सूची पर बात करेंगे। लखनऊ के कॉल्विन तालुकेदार्स कॉलेज में जाएंगे। यहीं से उन्होंने पढ़ाई भी की है। पहले दिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त कॉल्विन तालुकेदार्स कॉलेज सभागार में विद्यार्थियों के साथ संवाद करेंगे। ज्ञानेश कुमार इसी कॉलेज के छात्र रहे हैं। छात्रों से संवाद के बाद इंदिरागांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। सोमवार की सुबह लखनऊ पहुंचने पर ज्ञानेश कुमार ने कहा कि लखनऊ मेरी तपोभूमि रही है, यहां मेरी शिक्षा भी हुई। हम उत्तर प्रदेश के मतदाताओं खासतौर से हमारे बूथ लेवल अधिकारी, जो लोकतंत्र की

आधारशिला होते हैं, उनको कुछ बातें समझाने आए हैं। प्रदेश की जितनी यूनिवर्सिटी और स्कूल हैं, वहां चुनाव की पारदर्शिता और पूरी प्रक्रिया को समझाने के लिए भी कार्यक्रम होंगे। दरअसल उत्तर प्रदेश में पिछला विधानसभा चुनाव 2022 में फरवरी से मार्च के बीच सात चरणों में आयोजित हुआ था। इससे पहले 2017 में भी फरवरी-मार्च के दौरान ही चुनाव कराए गए थे। मार्च में नई सरकार का गठन होता रहा है। इस बार फरवरी में जनगणना होनी है। जगणना और चुनाव दोनों ही प्रक्रियाओं में टीचरों और सरकारी कर्मचारियों की मदद ली जाती है। ऐसे में दोनों कार्यक्रम एक साथ होना संभव नहीं दिख रहा है। चुनाव या जनगणना में से कोई कार्य टालना मुश्किल भी माना जा रहा है। अगर टाला जाता है कि आगे स्कूल-कॉलेजों की परीक्षाओं का समय आ जाएगा। ऐसे में माना जा रहा है कि चुनाव या जनगणना में से कोई कार्य समय से पहले कराया जा सकता है। जनगणना पूरे देश में एक साथ होगी, ऐसे में विधानसभा चुनाव समय से पहले कराए जाने की चर्चा हो रही है। प्रमुख राजनीति दलों ने अपनी तैयारियां भी तेज कर रखी हैं। दलों और नेताओं की तरफ से अपने कार्यकर्ताओं को भी इस बात का संदेश दिया जा रहा है कि चुनाव समय से पहले हो सकता है। निर्वाचन आयोग लखनऊ, मेरठ तथा वाराणसी में तीन क्षेत्रीय सम्मेलन करेगा। पहला सम्मेलन लखनऊ में आज होगा।

भारत में चीनी की किल्लत!

एक्शन मोड में सरकार, अब ब्राजील से आयात की तैयारी

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत में चीनी की किल्लत की खबरों के बीच अब सरोवर एक्शन मोड में आ गई है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को कहा है कि त्योहारों के मौसम से पहले चीनी की उपलब्धता और बढ़ती कीमतों को लेकर चिंताओं को दूर करने के लिए केंद्र सरकार कई कदम उठा रही है। जोशी ने कहा कि रेड रॉट (गन्ने की फसल में होने वाली बीमारी) और अल नीनो की स्थितियों के कारण चीनी के उत्पादन में कमी आई है। इससे न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में चीनी सहित कुल कृषि उत्पादन में कमी आई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि सरकार इसे लेकर चिंतित है और इसीलिए सरकार ने तुरंत कई कदम उठाए हैं। हालांकि उन्होंने यह भी बताया है कि भारत की जरूरत लगभग 280 लाख टन है और आज की स्थिति में हमारे पास 20 से 25 लाख टन से ज्यादा का अतिरिक्त स्टॉक है। वहीं सहकारी चीनी मिलों की संस्था एनएफसीएसएफ के प्रमुख ने कहा कि भारत आने वाली चीनी की कुछ खेप 15 अक्टूबरसे पहले देश में पहुंच सकती है। हालांकि अभी इसकी सही मात्रा का अंदाजा लगाना मुश्किल है। वहीं, जमाखोरी के खिलाफ सरकार की सख्ती से कीमतों में कुछ कमी आने लगी है। एनएफसीएसएफ के अध्यक्ष प्रकाश नाइकनवारे ने रविवार को बताया कि फिलहाल आयात के लिए ब्राजील ही एकमात्र व्यावहारिक स्रोत है, क्योंकि पारंपरिक आपूर्तिकर्ता थाईलैंड खुद चीनी की कमी से जूझ रहा है।

महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में सप्लाई सबसे पहले पहुंचेगी। ब्राजील से भारत तक सामान आने में 40-45 दिन लगते हैं। नायकनवरे ने कहा कि केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने फेडरेशन और इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। उन्होंने बाजार में पर्याप्त सप्लाई सुनिश्चित करने और कीमतों पर रोक लगाने का निर्देश दिया था। इससे पहले चीनी की कीमत 65-67 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई थी, हालांकि शनिवार को खुले टेंडरों में 5 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिर गई।

बंगाल: बर्फ के कारखाने से लीक होकर जहरीली गैस गांव में फैली, 25 लोग अस्पताल में भर्ती

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हाड़ोवा थाना क्षेत्र के शापुकुर इलाके में रविवार रात एक बर्फ कारखाने से अमोनिया गैस का रिसाव होने से बच्चों और महिलाओं समेत कम से कम 25 ग्रामीण बीमार पड़ गए। घटना रात करीब साढ़े नौ बजे की बताई जा रही है। अमोनिया गैस फैलने के बाद इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया। बीमार लोगों को तत्काल हाड़ोवा ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार शाम बर्फ कारखाने से अचानक अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हुआ। कुछ ही देर में गैस आसपास के इलाके में फैल गई। इसके प्रभाव से कई ग्रामीणों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। बच्चों और महिलाओं समेत कई लोग बीमार पड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही हाड़ोवा थाने की पुलिस और दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। गैस रिसाव को नियंत्रित करने के साथ ही इसके कारणों की जांच शुरू की गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में कारखाना प्रबंधन के खिलाफ भारी नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों ने कारखाना बंद करने की मांग को लेकर बेड़ाचांपा-हाड़ोवा मार्ग को अवरुद्ध कर और सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उक्त कारखाने से बार-बार गैस रिसाव जैसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे आसपास रहने वाले लोगों की जान खतरे में है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कारखाने को बंद कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो।

आजम खान केस से हुए मशहूर

आंजनेय सिंह आईएएस की डेपुटेशन यूपी में खत्म, सिक्किम लौटना होगा

एजेन्सी

मुरादाबाद। सपा नेता आजम खान से टक्कर लेने वाले आईएएस अफसर आंजनेय अब सिक्किम जाएंगे। अभी तक माना जा रहा था कि आंजनेय कुमार को यूपी में भी एक और मौका दिया जाएगा, लेकिन अब इस चर्चा पर पूरी तरह से विराम लगता नजर आ रहा है। आईएएस आंजनेय की यूपी में आठवीं बार प्रतिनियुक्ति को लेकर फिलहाल उच्च स्तर पर सहमति नहीं बन पाई है। इसलिए उनका अपने मूल कॉडर सिक्किम जाना तय माना जा रहा है। फिलहाल आंजनेय छुट्टी पर चल रहे हैं। वहीं, मुरादाबाद में उनकी जगह संगीता सिंह को नया कमिश्नर भी नियुक्त कर दिया गया है। आंजनेय कुमार सिंह 2005 बैच के सिक्किम काडर के आईएएस अफसर है, उन्हें 15 फरवरी 2015 को यूपी में प्रतिनियुक्ति पर तैनाती मिली थी। इसके बाद से लगातार प्रतिनियुक्ति विस्तार मिलता रहा। प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने के बाद वह लंबी छुट्टी पर चले गए। पहले यह माना जा रहा था कि विधानसभा चुनाव के चलते उन्हें एक विस्तार और मिल सकता है, लेकिन उच्च स्तर पर बात नहीं बन पाई है।

मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में की घोषणा

साल में मिलेंगे 3 फ्री एलपीजी सिलेंडर

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में कई बड़े ऐलान किए हैं। सरकार ने गरीब परिवारों को साल में तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की योजना का ऐलान किया है। 'अन्नपूर्णानी सुपर सिक्स' नाम की यह योजना पोंगल 2027 से शुरू होगी इसके तहत सालाना 2.5 लाख रुपए से कम आय वाले परिवारों को हर साल तीन सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। सरकार के मुताबिक, इस योजना से करीब 1.30 करोड़ परिवारों को फायदा मिलेगा। इसके लिए राज्य के खजाने से हर साल करीब 4 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री विजय ने बताया कि लाभार्थियों को सिलेंडर खरीदने के बाद उसकी कीमत सीधे उनके बैंक अकाउंट में जमा की जाएगी। हर साल तीन सिलेंडर मुफ्त में मिलेगा। विजय ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा को लेकर भी बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सिर्फ सामान्य बसों में ही नहीं, बल्कि एक्सप्रेस, एलएसएसऔर डीलक्स बसों में भी मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।

फैशन के कारण दूषित होती है वेशभूषा: आचार्य श्री

समाचार जगत ब्यूरो

सीकर. श्री वर्धमान सागर जी संघ सहित पारस भवन दंग की नसिया सीकर में विराजित है। राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने उपदेश में बताया कि चातुर्मास में अनेक पर्व आकर चले गए आगामी दिनों में महान पर्व आने वाले हैं कुछ दिनों के बाद 16 कारण पर्व और वात्सल्य रक्षाबंधन पर्व आने वाला है। रक्षाबंधन पर 700 मुनिराजों के प्राणों की रक्षा हुई थी।

सोलह कारण भावना में संपूर्ण जगत के प्राणियों के कल्याण की भावना से धर्म मार्ग दिखाना,हम जो चाहते है,वह दूसरे को भी मिले ,जो हमारे लिए नहीं चाहते वैसा दूसरे अन्य के लिए भी धर्म अच्छी कामना करने तीर्थंकर नाम कर्म प्रकृति का बंध होता है। भावना भव नाशिनी होती हैं यह मंगल उपदेश रविवार को स्कूली छात्र-छात्राओं और समाज के समक्ष आचार्य धर्मसागर सभागृह पारस भवन दंग

की नसिया सीकर में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने दिया।

राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया किअरिहंत भगवान की देशना जिन आगम अनुसार है जिसमें जीवन को सुखी बनाने के सूत्र दिए गए हैं। जिनवाणी अनुसार श्रावकों को कैसा चलना , कैसी क्रिया करना , कैसे सोना (शयन करना) ,कैसे भोजन करना, कैसे उठना, बैठना चाहिए जिससे जीवों की रक्षा होकर हिंसा नहीं हो।

रात्रि में सभी चारों प्रकार भोजन खाद्य, पेय, लेय स्वाद आदि का त्याग एक वर्ष का करने से 6 माह के उपवास का फल मिलता हैं रात्रि में भोजन नहीं करने के अनेक फायदे हैं। जिस प्रकार अनाज को उपयोग करने के पूर्व उससे कंकड़, जीव , कचरा निकाल कर साफ कर धोकर सुखाने के बाद उपयोग में लेते है, उसी प्रकार जीवन की प्रत्येक क्रिया कार्य हिंसा ,पाप रहित होना चाहिए। व्यसन , फैशन कारण खानपान, वेश भूषा आचार विचार दूषित हो रहे हैं मानव जीवन को धर्म मय बना कर अहिंसा का पालन करना चाहिए।

आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व गौहाटी के रोहित चूड़ीवाल ,इंदौर के डा राजेश पंचोलिया, टोंक नगर के कमल सराफ, धर्मेन्द् ,धर्म चंद,विमल जी आदि ने दीप प्रवज्जलन किया नृत्य मंगलाचरण हुआ।आचार्य श्री की पूजन पाठशाला के बच्चो एवं महिला मंडल ने की आज मुनिराज श्री गुणोदय सागर जी ओर आर्यिका श्री प्रेक्षा मति ओर श्री जिनेश मति माताजी के केश लोच हुए। शाम को श्रीजी ओर , आचार्य श्री की आरती के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

RK GROUP
परमपूज्य आचार्यश्री के श्रीचरणों में बारम्बार नमोस्तु
अशोक पाटनी, सुरेश पाटनी, विमल पाटनी
आर.के. मार्बल ग्रुप. मदनगंज – किशनगढ़ (अजमेर)
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA

दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे स्वाइन फ्लू के मामले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में फैल रहे स्वाइन फ्लू के वायरस में मिसौरी स्ट्रेन है। यह स्ट्रेन नया नहीं है। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह ज्यादा खतरनाक नहीं है और इस पर टीका कारगर है। इस साल दिल्ली में इन्फ्लुएंजा-ए के 2,300 से अधिक मामले सामने आए हैं, जिनमें शुक्रवार तक H1N1 के 1,777 से अधिक मामले शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अकेले गुरुवार को H1N1 के 114 मामले सामने आए। आईसीएमआर सूत्रों ने रविवार को कहा कि अभी फैल रहा H1N1 यानी इन्फ्लुएंजा ए वायरस ए/मिसौरी/ 112025 PDM09 स्ट्रेन से जुड़ा हुआ है। इसका पता पिछले साल अमेरिकी राज्य मिसौरी में लगा था। वैज्ञानिकों ने साफ किया है कि देश में H1N1 का कोई नया स्ट्रेन नहीं मिला है, इसलिए घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इस पर इन्फ्लुएंजा का मौजूदा अनुशंसित टीका कारगर है। वैज्ञानिकों ने कहा कि मौसमी इंफ्लुएंजा जिसमें H1N1 भी शामिल है, ज्यादातर मामलों में यह खुद ब खुद ठीक हो जाता है। इसके लक्षणों में बुखार, खांसी, सिरदर्द, बदन दर्द शामिल हैं। बच्चों, बुजुर्गों तथा किसी बीमारी से ग्रस्त लोगों को इससे खतरा पैदा हो सकता है। ऐसे मामलों में डाक्टर से सलाह लें। सरकार ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आवश्यक जनस्वास्थ्य कदम उठाए जा रहे हैं।

बांग्लादेश और भारत के समझौते पर बिहार में संग्राम, फरक्का पर उलझे जदयू-राजद

पटना, एजेंसी। बिहार में बांग्लादेश से फरक्का जल संधि पर सियासी तकरार शुरू हो गई है। जदयू- राजद आमने-सामने है। जदयू संधि के नवीनीकरण के खिलाफ है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा व उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी मजबूती से इसे लगातार उठा रहे हैं। उनका कहना है कि यह जल संधि बिहार और देश के हित में नहीं है। जदयू का यह भी आरोप है कि सत्ता में रहते लालू प्रसाद इस संधि पर मौन रहे। इस मुद्दे पर तकरार की शुरुआत राजद के पलटवार से हुई। लालू प्रसाद ने वक्तव्य जारी कर कहा कि नीतीश कुमार ने संसद में इस विषय पर कभी एक शब्द नहीं बोला। हमने संसद में और राज्य में हमारी सरकार ने हर मंच पर हमेशा फरक्का बांध का कड़ा विरोध किया, क्योंकि हमारी दूरदृष्टि ने गंभीरता से इससे बिहार को होने वाले नुकसान और खतरे को पहचान लिया था। फरक्का बैराज के विषय पर नीतीश कुमार के नौसिखिए बोल रहे है, जिन्हें इस मुद्दे और विषय का कोई इतिहास- भूगोल मालूम नहीं है। लालू प्रसाद ने यहां तक कह दिया कि नीतीश कुमार के खेवनहार बने नौसिखियों को ज्ञानार्जन के लिए जल संसाधनविभाग, गंगा नदी में जल उपलब्धता की कमी, बांग्लादेश के साथ अन्तरराष्ट्रीय संधि के दुष्प्रभाव और तत्कालीन राज्य सरकार के प्रयास एवं तत्कालीन सिंचाई मंत्री जगदा भाई के केंद्र सरकार के साथ पत्राचार को पढ़ना चाहिए। उधर, पार्टी के वरिष्ठ नेता आलोक मेहता ने रविवार को जदयू के आरोपों पर पलटवार किया कि फरक्का कोई आज का मुद्दा नहीं है। राजद तो शुरू से विरोध कर रहा है। केन्द्र और राज्य में पिछले 12 साल से इनकी सरकार है, इतने दिनों से ये क्या कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 साल पुराने केस में लगाया भारी जुर्माना

गरीब लाइन में हैं, लग्जरी मुकदमेबाजी नहीं चलेगी

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की अदालतों में आम और गरीब फरियादी न्याय की उम्मीद में सालों लाइन में इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अमीर लोगों के मुकदमें पर जल्दी सुनवाई हो जा रही है। अमीर लोगों द्वारा की जाने वाली लग्जरी मुकदमेबाजी पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने असरदार लोगों के लग्जरी मुकदमे में शामिल होने के तरीके को गलत बताया, जिससे सही केस की सुनवाई में देरी होती है। कोर्ट ने 'साफ नीयत' से कोर्ट न आने वाले केस करने वाले हर केस करने वाले पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने एक्ट्रेस रेहाना खान और उनके वकील रिजवान सिद्दीकी की अर्जी खारिज कर दी। दोनों पिछले 11 साल से बार काउंसिल ऑफ इंडिया, बॉम्बे एचसी और एससी समेत अलग-अलग फोरम पर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

11 साल तक लिया कोर्ट का समय

बेंच ने कहा कि इनमें से हर पार्टी हमारे पास किसी गलत काम की शिकायत लेकर आई है, और हर कोई इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार रहा है। इन दोनों ने मिलकर 11 साल तक बार काउंसिल, एक एचसी और इस कोर्ट का समय लिया है। वह समय दूसरे केस लड़ने वालों का था, जो उस राहत का इंतजार कर रहे थे जिसकी उन्हें सच में जरूरत थी। हम दोनों के व्यवहार से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। हर पार्टी के व्यवहार को देखते हुए, हम उन पर जुर्माना लगाना सही समझते हैं। बेंच ने कहा कि हर जरूरी बात को रिकॉर्ड से निकालना पड़ा है, जिसमें दबाना, बढ़ा-चढ़ाकर बताना और बाद में सोचना दोनों तरफ की आम बात है। न्याय की मशीनरी पार्टियों को उनके हिसाब से कोई सुविधा नहीं देती कि वे झगड़े निपटाएं, अपनी इज्जत बचाएं जिसे उन्होंने खुद खतरे में डाला है, या अपने ही बनाए विवाद से फायदा उठाएं। हम शुरू में ही कहते हैं और आगे भी अपनी वजहें बताते हैं, कि न तो अपील करने वाला और न ही जवाब देने वाला इस कोर्ट से भरोसा करके निकलेगा।

अदालत कोई ऑडिटोरियम नहीं

पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इन मामलों की केस फाइलें पढ़ने में काफी दिलचस्प लगती हैं। इस तरह के मुकदमों में एक खास आकर्षण होता है, जिसे हम खारिज नहीं करते। लेकिन अदालत कोई ऑडिटोरियम (सभागार) नहीं है और न ही किसी केस का नाटक उसकी योग्यता (मेरिट) का पैमाना हो सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक त्रिशला गोधा द्वारा समाचार जगत, 11 जवाहर लाल नेहरू मार्ग, विद्याश्रम स्कूल के सामने, संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : शैलेन्द्र गोधा* । फोन : 3509888 (संपादकीय) : फैक्स : 0141-2708088 e-mail: samacharjagat@gmail.com, sjnews@samacharjagat.com
* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी